दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-138 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 12 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जो समाज अपने अन्नदाता के श्रम को आंकड़ों में मापने लगता है, वह धीरे-धीरे संवेदनाओं में दरिद्र हो जाता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

टॉपर्स की पहली पसंद...

परमहंस (PCP) स्कूल, चिड़ावा

RBSE Board Result-2026

न तो आर्ट्स,ना ही कॉमर्स,केवल साइंस वर्ग में जिलें में सर्वाधिक 80 विद्यार्थी 90% से अधिक

10th Result 86.00%

Roll No.-2641982	Roll No.-2641983	Roll No.-1586179	Roll No.-1586164	Roll No.-2642055	Roll No.-1586119	Roll No.-2641870
97.00%	97.40%	98.17%	98.17%	97.20%	97.17%	97.00%
रेखा	रेणू कुमारी	वैनवी मान	संध्या लाम्बा	याशिका	निशांत	कुमारी खुशी
पुत्री श्री राकेश कुमार,चिड़ावा	पुत्री श्री राकेश कुमार,भामरवासी	पुत्री श्री अनिल कुमार,गोवली	पुत्री श्री रमन लाम्बा,लाम्बा गोठड़ा	पुत्री श्री जोगेन्द्र सिंह,घरड़ाना कलां	पुत्र श्री विजय कुमार,ओजटू	पुत्री श्री कृष्ण कुमार,चिड़ावा

बोर्ड रिजल्ट में चमके PCP के सितारे, NEET/JEE में भी हम हैं सबसे न्यारे ...!

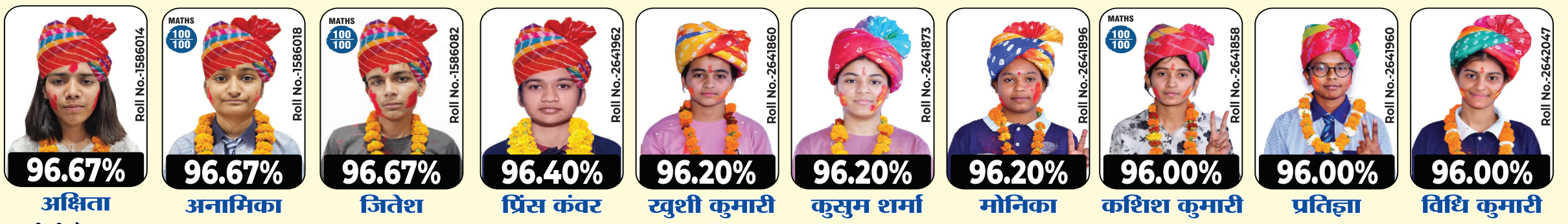

डॉक्टर बनने की पहली सीढ़ी,PCP

OUR PREVIOUS ACHIEVERS (PCP के भावी डॉक्टर्स)

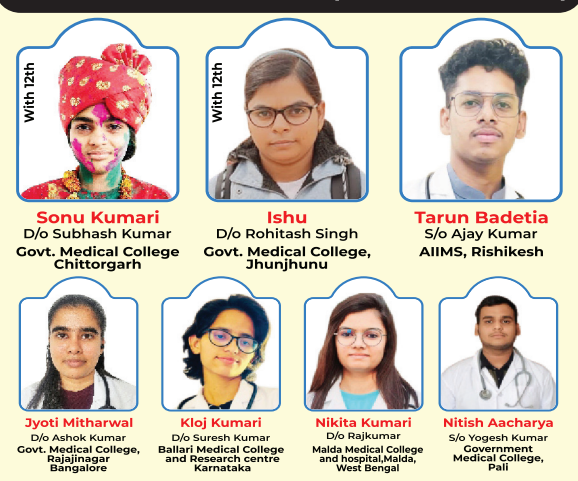

Board Result Summary-2026

Above 96.00%	17 Students
Above 95.00%	30 Students
Above 90.00%	118 Students
Above 80.00%	281 Students
Perfect 100/100	73 Students

JEE (Main)-2026 Result
(January Attempt)

सैनिक स्कूल में चयनित विद्यार्थी

EXCELLENT HOSTEL FACILITY
Separate for Boys & Girls

Join Now
LIMITED SEATS

SHAKSHI PRINTERS
SULTANA #9610292906

Admission Announcement : 2026-27

NEET | IIT-JEE | NDA | STSE | OLYMPIADS | SAINIK | MILITARY

TARGET COURSE (12th Appearing/Passed) | 12th FOUNDATION (11th to 12th Moving) | 11th FOUNDATION (10th to 11th Moving) | PRE-FOUNDATION (Class 6th to 10th)

For More Details Contact us :-
9460940715
9982643333
7891185411

हैड ऑफिस : पिलानी रोड़, चिड़ावा | न्यू कैम्पस : मण्ड्रेला बाईपास, चिड़ावा
www.pcpschoolchirawa.com
pcpschoolchirawa@gmail.com

हिम्मत: डरपोक राजू की बहादुरी की प्रेरक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और हरे-भरे राज्य में 'शांतिपुर' नाम का एक गाँव था। इस गाँव के किनारे से एक साफ़ और ठंडे पानी की नदी बहती थी। गाँव में आम, अमरूद और नीम के बड़े-बड़े पेड़ थे। इसी शांतिपुर गाँव में एक दस साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था राजू। राजू पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसका दिल बहुत साफ था। लेकिन राजू की एक बहुत बड़ी परेशानी थी-वह बहुत डरपोक था।

उसे हर चीज़ से डर लगता था। रात के अंधेरे से, तेज़ आवाज़ से, ऊँचाई से, और यहाँ तक कि गली के छोटे-छोटे जानवरों से भी। जब भी आसमान में बिजली कड़कती, राजू डर के मारे अपने बिस्तर के नीचे छिप जाता था।

राजू के इस डरपोक स्वभाव की वजह से गाँव के दूसरे बच्चे अक्सर उसका मज़ाक उड़ाते थे। जब बच्चे क्रिकेट खेलते और गेंद किसी पुरानी हवेली या झाड़ियों में चली जाती, तो वे राजू को डराने के लिए कहते, 'राजू, जा जाकर गेंद ले आ, वहाँ भूत रहता है!' राजू डर के मारे कांपने लगता और रोने-रोने को हो जाता। सब बच्चे उस पर ज़ोर-ज़ोर से हँसते थे। राजू को यह सब बहुत बुरा लगता था। वह अक्सर सोचता था कि काश उसके अंदर भी दूसरे बच्चों की तरह बहादुरी होती।

बच्चों, क्या आप जानते हैं कि असली साहस या हिम्मत किसे कहते हैं? हिम्मत का मतलब यह नहीं होता कि आपको कभी डर ही न लगे। असली हिम्मत तो वह होती है जब आप बहुत डरे हुए हों, लेकिन फिर भी सही काम करने के लिए आगे कदम बढ़ाएं। राजू को भी जल्द ही इस बात का मतलब समझ आने वाला था।

राजू वैसे तो जानवरों से बहुत डरता था, लेकिन एक दिन स्कूल से लौटते समय उसने देखा कि सड़क के किनारे एक छोटा सा भूरे रंग का पिल्ला (कुत्ते का बच्चा) ठंड से कांप रहा था। वह बहुत भूखा और कमज़ोर लग रहा था। राजू को पहले तो डर लगा, लेकिन पिल्ले की मासूम आँखों को देखकर राजू का दिल पसीज गया।

राजू ने अपने टिफिन में बची हुई आधी रोटी उस पिल्ले के सामने डाल दी। पिल्ला तुरंत रोटी खा गया और अपनी छोटी सी पूंछ हिलाते हुए राजू के जूतों को चाटने लगा। उस दिन से राजू और उस पिल्ले की पक्की दोस्ती हो गई। राजू ने उसका नाम 'शेरू' रखा। अब रोज़ स्कूल आते-जाते राजू शेरू के लिए कुछ न कुछ खाने को लाता। शेरू राजू को देखकर उछल-कूद करता। शेरू के साथ रहकर राजू अपना डर भूल जाता था।

गर्मियों का मौसम खत्म हुआ और बारिश का मौसम आ गया। इस बार शांतिपुर गाँव में बहुत भयानक बारिश हुई। लगातार तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश होती रही। आसमान में काले-काले बादल छाए रहते और तेज़ बिजली कड़कती रहती। सूरज तो जैसे कहीं छिप ही गया था।

इतनी तेज़ बारिश के कारण गाँव के किनारे बहने वाली नदी का पानी बहुत बढ़ गया। नदी में बाढ़ जैसी स्थिति आ गई।

तभी अचानक, बाहर हवा की आवाज़ के बीच राजू को एक जानी-पहचानी आवाज़ सुनाई दी। कूईं... कूईं... कूईं...

राजू ने तुरंत अपनी रज़ाई हटाई। यह आवाज़ शेरू की थी! राजू ने खिड़की से बाहर झाँक कर देखा। उसका घर नदी के थोड़ा पास ही था। राजू ने देखा कि शेरू नदी के किनारे एक बड़े से पत्थर पर फँसा हुआ था। बाढ़ का पानी तेज़ी से उस पत्थर की तरफ बढ़ रहा था। शेरू बहुत डरा हुआ था और मदद के लिए रो रहा था।

राजू के पिता ने भी खिड़की से बाहर देखा और बोले, 'अरे बाप रे! नदी का बहाव बहुत तेज़ है। उस पिल्ले का बचना नामुमकिन है। बाहर जाना बहुत खतरनाक है।'

यह सुनकर राजू का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसका प्यारा दोस्त शेरू मौत के मुँह में था!

राजू को बहुत डर लग रहा था। उसके हाथ-पैर कांप रहे थे। बिजली कड़क रही थी, जिससे उसका डर और भी बढ़ रहा था। लेकिन जब उसने शेरू की रोती हुई मासूम आँखें देखीं, तो उसे लगा कि अगर वह नहीं गया तो शेरू डूब जाएगा।

राजू ने अपनी आँखें बंद कीं और गहरी साँस ली। आज उसे अपने डर से ज्यादा शेरू की फिक्र हो रही थी। यही वह पल था जब राजू के अंदर हिम्मत जागी। बिना किसी को बताए, राजू ने अपनी चमकीली पीली रेनकोट (ऋड्डद्वडुष्ङ्डह्ल) पहनी। उसने घर के आंगन से एक लंबी और मज़बूत लकड़ी उठाई और दरवाज़ा खोलकर तूफानी बारिश में बाहर निकल गया।

'राजू! बेटा, वापस आओ! यह खतरनाक है!' राजू के माता-पिता घबरा कर चिल्लाए। लेकिन राजू तब तक नदी के किनारे पहुँच चुका था।

नदी का पानी बहुत ठंडा था और बहाव तेज़ था। राजू ने एक कदम पानी में रखा। पानी उसके घुटनों तक आ रहा था। उसे लगा कि वह बह जाएगा, लेकिन उसने अपनी लकड़ी को ज़मीन पर ज़ोर से टिकाया। 'डरो मत शेरू! मैं आ रहा हूँ!' राजू ने तेज़ हवाओं के बीच चिल्लाकर कहा।

राजू धीरे-धीरे, एक-एक कदम सावधानी से बढ़ाते हुए उस पत्थर की तरफ जाने लगा जहाँ शेरू फँसा था। पानी की लहरें राजू को पीछे धकेल रही थीं, लेकिन उसने हार नहीं मानी। कड़कती बिजली भी अब उसे डरा नहीं पा रही थी।

आखिरकार, राजू उस पत्थर तक पहुँच गया। उसने शेरू को उठाया और अपने रेनकोट के अंदर, अपने सीने से लगा लिया। शेरू ने राजू का चेहरा चाटना शुरू कर दिया। राजू को अब वापस लौटना था। वापसी का सफर और भी मुश्किल था क्योंकि उसके एक हाथ में शेरू था। लेकिन राजू की हिम्मत अब दोगुनी हो चुकी थी।

पूरे ज़ोर और सावधानी के साथ, राजू नदी से बाहर आ गया।

जब राजू शेरू को लेकर घर पहुँचा, तो उसके माता-पिता दौड़कर आए और उसे गले लगा लिया। वे रो रहे थे और साथ ही बहुत गर्व भी महसूस कर रहे थे। बारिश रुकने के बाद, यह खबर पूरे गाँव में फैल गई कि डरपोक राजू ने तूफानी नदी में जाकर एक पिल्ले की जान बचाई है।

गाँव के लोग राजू के घर आए। जो बच्चे कल तक राजू को 'डरपोक' कहकर चिढ़ाते थे, वे आज हैरान थे। गाँव के सरपंच ने राजू की पीठ थपथपाई और कहा, 'शाबाश बेटा! तुमने आज जो किया है, वह हर कोई नहीं कर सकता। तुमने साबित कर दिया कि असली हिम्मत शरीर की ताकत में नहीं, बल्कि दिल की अच्छाई और इरादों में होती है।'

उस दिन के बाद से, शांतिपुर गाँव में किसी ने भी राजू को डरपोक नहीं कहा। राजू का भी अपने अंदर का सारा डर हमेशा के लिए खत्म हो गया था। शेरू अब राजू के साथ ही उसके घर में रहने लगा था। राजू ने समझ लिया था कि डर लगना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन डर के आगे हार मान लेना बुरी बात है। अगर हम अपने मन में ठान लें और थोड़ी सी हिम्मत दिखाएं, तो हम किसी भी बड़ी से बड़ी मुसीबत का सामना कर सकते हैं।

प्यारे बच्चों, लोटपोट की इस कहानी से हमें यही सीख मिलती है कि डर के आगे ही असली जीत है!

सीख

डर पर काबू पाना : असली हिम्मत कभी न डरने में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने के बावजूद सही काम करने में है।

दूसरों की मदद : जब हम किसी कमज़ोर या ज़रूरतमंद की मदद करने का फैसला करते हैं, तो हमारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाती है।

खुद पर विश्वास : हमें कभी भी खुद को कमज़ोर नहीं समझना चाहिए। मुसीबत के समय हमारे अंदर छिपी हुई ताकत ही हमारा सबसे बड़ा हथियार होती है।

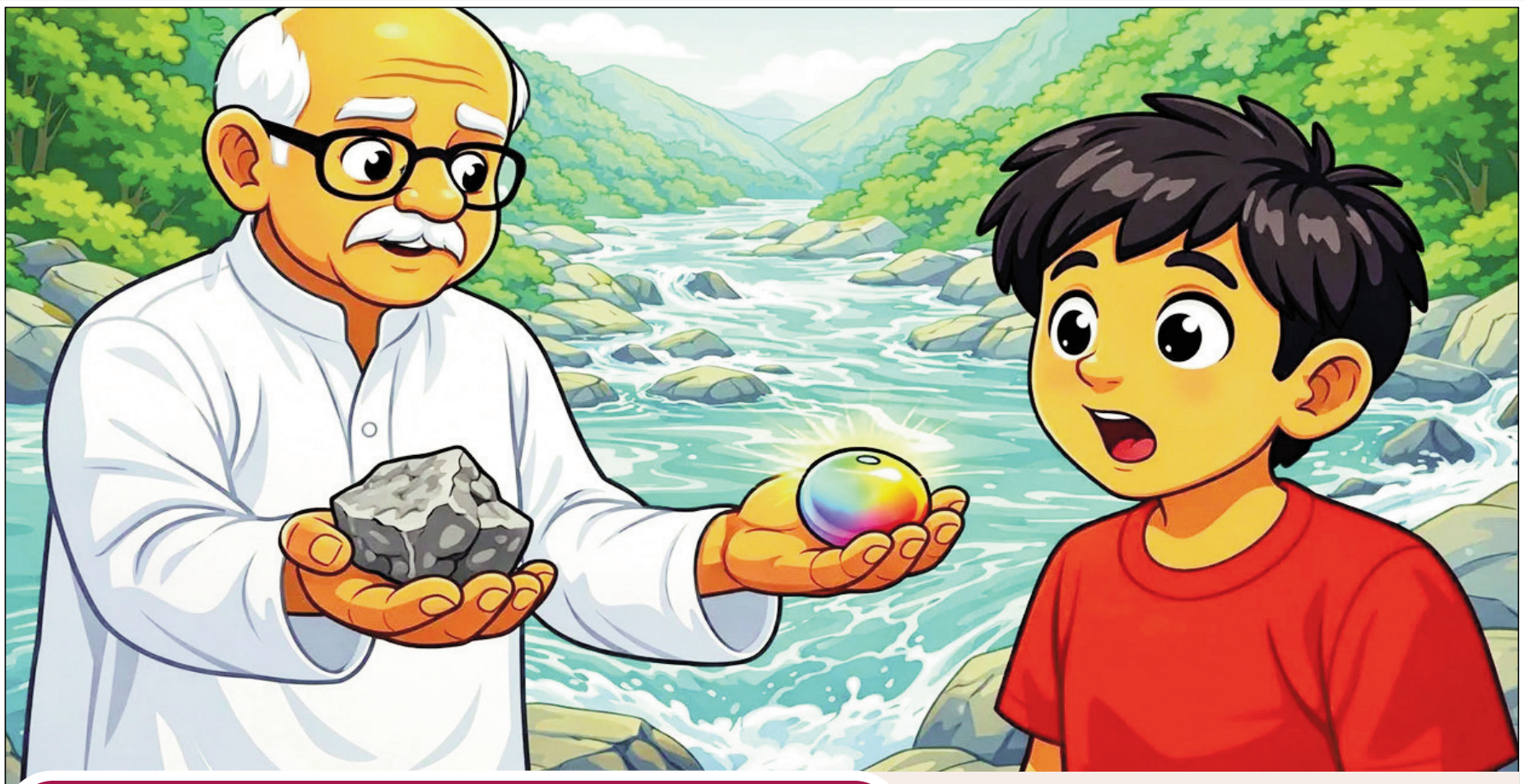

नुकीले पत्थर से सीख

रवि और दादाजी की प्रेरणादायक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और शांत शहर 'देहरादून' में एक 12 साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था 'रवि'। रवि पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसके अंदर एक जन्मजात टैलेंट था-वह बहुत शानदार चित्रकला करता था। उसके द्वारा बनाए गए चित्र एकदम असली लगते थे। लेकिन, रवि के अंदर एक बहुत बड़ी कमी थी। वह स्वभाव से बहुत कामचोर था और थोड़ी सी मेहनत या कठिनाई आने पर तुरंत हार मान लेता था।

प्रकृति में हर चीज़, चाहे वह एक छोटा सा पौधा हो या एक कठोर पत्थर, हमें जीवन की कोई न कोई बड़ी सीख ज़रूर देती है। रवि को भी जल्द ही एक नुकीले पत्थर से सीख मिलने वाली थी, जो उसकी ज़िंदगी को हमेशा के लिए बदलने वाली थी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और रवि की हार

एक दिन रवि के स्कूल में घोषणा हुई कि अगले महीने पूरे राज्य स्तर की 'राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता' होने वाली है। स्कूल के प्रिंसिपल सर ने रवि को बुलाया और कहा, 'रवि, तुम्हारी कला बहुत बेहतरीन है। इस साल हमारे स्कूल की तरफ से तुम इस प्रतियोगिता में हिस्सा लोगे। लेकिन याद रखना, इसके लिए तुम्हें रोज़ कम से कम चार घंटे अभ्यास करना होगा।'

रवि शुरुआत में बहुत खुश हुआ। उसने घर आकर नए रंग और ब्रश निकाले और पेंटिंग बनानी शुरू की। लेकिन दो-तीन दिन बाद ही उसका उत्साह खत्म होने लगा। लगातार बैठकर पेंटिंग करने से उसकी कमर में दर्द होने लगा और उंगलियां सुन्न हो गईं।

'मुझसे यह सब नहीं होगा! इतना दर्द कौन सहेगा? मैं तो वैसे भी अच्छा चित्र बनाता हूँ, मुझे इस अभ्यास की क्या ज़रूरत है?' यह सोचकर रवि ने अपने रंग और ब्रश मेज पर फेंक दिए और बिस्तर पर लेटकर मोबाइल देखने लगा।

रवि के दादाजी, 'रामनाथ जी', घर के एक बहुत ही समझदार और अनुभवी व्यक्ति थे। वे कई सालों तक में काम कर चुके थे और उन्हें पता था कि बिना अनुशासन और मेहनत के कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

जब दादाजी ने देखा कि रवि ने प्रतियोगिता की तैयारी छोड़ दी है और वह मुश्किलों से भाग रहा है, तो उन्हें बहुत चिंता हुई। वे जानते थे कि अगर रवि को सही समय पर नहीं समझाया गया, तो उसका सारा टैलेंट (Talent) बर्बाद हो जाएगा।

अगले दिन रविवार था। दादाजी सुबह-सुबह रवि के कमरे में आए और बोले, 'रवि बेटा, उठो! आज हम दोनों शहर के बाहर 'नीलधारा' नदी के किनारे एक छोटी सी ट्रैकिंग (पहाड़ी सैर) पर जाएंगे।'

रवि ने मुँह बनाते हुए कहा, 'दादाजी, मुझे नहीं जाना। वहाँ बहुत चलना पड़ेगा और मेरे पैरों में दर्द हो जाएगा।' लेकिन दादाजी ने उसकी एक न सुनी। वे उसे लगभग ज़बरदस्ती अपने साथ लेकर निकल पड़े।

नीलधारा नदी शहर से कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी इलाके में बहती थी। वहाँ पहुँचने का रास्ता बहुत ही कच्चा, ऊबड़-खाबड़ और कंटीला था। रवि पूरे रास्ते शिकायत करता रहा। 'दादाजी, कितनी धूप है! रास्ता कितना खराब है! हम यहाँ क्यों आए हैं?'

दादाजी बस मुस्कुराते रहे और अपनी छड़ी के सहारे आगे बढ़ते रहे। अचानक, नदी के किनारे पहुँचने से थोड़ा पहले, रवि का पैर एक बहुत ही तीखे और खुरदरे पत्थर पर पड़ा। पत्थर इतना नुकीला था कि वह रवि के जूतों के सोल (स्श्च्द्व) को पार करता हुआ उसके पैर में हल्का सा चुभ गया।

'आउच! मम्मा!' रवि दर्द के मारे ज़ोर से चिल्लाया। उसने गुस्से में उस पत्थर को उठाया और दूर फेंकने लगा। 'यह कितना गंदा और नुकीला पत्थर है! इसने मेरे पैर में चोट लगा दी। इसे तो यहाँ होना ही नहीं चाहिए!'

दादाजी ने रवि का हाथ पकड़ लिया। उन्होंने वह नुकीला पत्थर रवि के हाथ से लिया और कहा, 'रुको बेटा! इस पत्थर को फेंको मत। आज तुम्हें इस नुकीले पत्थर से सीख लेनी है। इसे अपने पास रखो और चलो, अब नदी आ गई है।'

दोनों नीलधारा नदी के किनारे पहुँचे। नदी का पानी बहुत ही साफ, ठंडा और तेज़ी से बहने वाला था। पानी के बहाव की आवाज़ से मन को बहुत शांति मिल रही थी।

दादाजी ने रवि से कहा, 'बेटा, तुम्हारे हाथ में जो पत्थर है, वह बहुत ही भद्दा और नुकीला है। अब ज़रा इस नदी के पानी के अंदर हाथ डालो और जो सबसे सुंदर, चिकना और गोल पत्थर (Pebble) तुम्हें मिले, उसे बाहर निकालो।'

रवि ने अपने जूते उतारे और नदी के ठंडे पानी में गया। नदी का तल (ब्ढ्ड्ढद्ब) अनगिनत छोटे-बड़े, रंग-बिरंगे और बेहद चिकने पत्थरों से भरा हुआ था। रवि ने एक बहुत ही सुंदर, बिल्कुल गोल और चमकता हुआ 'सफ़ेद पत्थर' पानी से बाहर निकाला। वह पत्थर इतना चिकना था कि उसे हाथ में पकड़ने पर बहुत अच्छा लग रहा था।

'दादाजी, देखिए! यह पत्थर कितना सुंदर और चिकना है। मैं इसे अपने घर ले जाकर अपनी मेज पर सजाऊंगा,' रवि ने खुशी से कहा।

दादाजी ने एक पास के बड़े से पत्थर पर बैठते हुए रवि को अपने पास बुलाया। उन्होंने रवि के एक हाथ में वह 'नुकीला और भद्दा पत्थर' रखा और दूसरे हाथ में वह 'चिकना और सुंदर पत्थर' रखा।

दादाजी ने गंभीर और शांत स्वर में कहा, 'रवि बेटा, क्या तुम जानते हो कि ये दोनों पत्थर एक ही पहाड़ से टूटकर नीचे गिरे थे? सालों पहले ये दोनों बिल्कुल एक जैसे ही खुरदरे और नुकीले थे।'

रवि ने हैरानी से पूछा, 'तो फिर यह दूसरा पत्थर इतना गोल और सुंदर कैसे बन गया, दादाजी?'

यही वह पल था जहाँ इस कहानी की सबसे बड़ी नुकीले पत्थर से सीख छिपी थी। दादाजी ने मुस्कुराते हुए समझाया, 'बेटा, तुम्हारे दाहिने हाथ में जो नुकीला पत्थर है, वह पहाड़ से टूटकर नदी के बाहर सूखे किनारे पर गिर गया। उसने नदी के तेज़ बहाव से डरकर पानी में जाने से इंकार कर दिया। वह अपनी जगह पर आराम से पड़ा रहा। उसे कोई दर्द नहीं सहना पड़ा, किसी तेज़ धारा का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन इसका नतीजा क्या हुआ? आज वह वैसा का वैसा ही नुकीला, खुरदरा और भद्दा है। लोग उसे देखकर गुस्सा करते हैं क्योंकि वह पैरों में चुभता है।'

दादाजी ने फिर उस सुंदर पत्थर की तरफ इशारा किया और कहा, 'लेकिन इस दूसरे पत्थर ने आराम नहीं चुना। यह पहाड़ से सीधा इस नदी के तेज़ और खतरनाक बहाव में कूद गया। सालों तक यह पानी के थपेड़े सहता रहा। यह कभी दूसरे पत्थरों से टकराया, तो कभी ज़मीन पर रगड़ाया। इसे बहुत दर्द हुआ होगा, यह बहुत घिसा होगा। लेकिन उस 'घिसने' और 'कठिनाइयों को सहने' का नतीजा क्या हुआ? आज यह पत्थर एकदम गोल, चिकना और इतना सुंदर बन गया है कि तुम इसे अपने घर में सजाना चाहते हो।'

दादाजी की बातें रवि के दिल में किसी तीर की तरह जाकर लगीं। उसे अचानक अपनी और उस पेंटिंग प्रतियोगिता की याद आ गई।

दादाजी ने रवि के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'बेटा, इंसान का जीवन भी बिल्कुल इन पत्थरों की तरह होता है। अगर तुम मेहनत से डरोगे, अपनी कमर के दर्द और उंगलियों की थकान से भागोगे, तो तुम जीवन भर उस नुकीले पत्थर की तरह ही रह जाओगे—एकदम साधारण, जिससे कोई प्यार नहीं करता। लेकिन अगर तुम 'सफलता की नदी' में कूदकर मेहनत की रगड़ सहोगे, अभ्यास का दर्द बर्दाश्त करोगे, तो एक दिन तुम इस 'गोल पत्थर' की तरह चमकोगे, जिसे पूरी दुनिया सम्मान देगी।'

रवि की आँखों से अज्ञानता का पर्दा हट चुका था। उसने उन दोनों पत्थरों को अपनी जेब में रख लिया। 'मुझे माफ़ कर दीजिए दादाजी,' रवि ने नम आँखों से कहा। 'मुझे आपकी नुकीले पत्थर से सीख पूरी तरह समझ आ गई है। मैं अब अपनी मेहनत से पीछे नहीं हटूंगा। दर्द चाहे जितना भी हो, मैं अभ्यास करूँगा और उस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।' अगले दिन से रवि का रूटीन पूरी तरह बदल गया। उसने मोबाइल फोन एक तरफ रख दिया। वह रोज़ स्कूल से आकर लगातार पाँच घंटे अपनी पेंटिंग का अभ्यास करता। उसकी उंगलियों में दर्द होता, उसकी आँखें थक जातीं, लेकिन वह रुकता नहीं था। जब भी उसका मन हार मानने को करता, वह अपनी मेज पर रखे उस 'चिकने पत्थर' को देख लेता और उसे दादाजी की बात याद आ जाती।

एक महीने बाद प्रतियोगिता का दिन आया। रवि ने वहां एक बहुत ही शानदार और जीवंत पेंटिंग बनाई। जब प्रतियोगिता का परिणाम (ऋह्यह्वद्यह्ल) घोषित हुआ, तो पूरे राज्य में रवि को 'प्रथम पुरस्कार' मिला!

मंच पर जब रवि को गोल्ड मेडल और ट्रॉफी दी जा रही थी, तो उसने दर्शकों में बैठे अपने दादाजी की तरफ देखा और मुस्कुरा दिया। उसे पता था कि यह मेडल उसकी कला का नहीं, बल्कि उस 'रगड़' और 'मेहनत' का है जो उसने पिछले एक महीने में सही थी।

बच्चों, लोटपोट की ये हिंदी कहानियां हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण सच्चाई से रूबरू कराती हैं। बिना दर्द सहे, कोई भी महान नहीं बन सकता।

सीख

मेहनत और संघर्ष : सफलता पाने के लिए हमें मेहनत की आग में तपना ही पड़ता है। बिना संघर्ष और कठिनाइयों का सामना किए कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

आराम का लालच : जो लोग आराम का रास्ता चुनते हैं और मेहनत से भागते हैं, वे जीवन में कभी भी निखर नहीं पाते और पीछे रह जाते हैं (नुकीले पत्थर की तरह)।

दर्द ही दवा है : अभ्यास करते समय होने वाला दर्द असल में हमारी कमियों को दूर कर रहा होता है, इसलिए उससे घबराने के बजाय उसका डटकर सामना करना चाहिए।

दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-138 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 12 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जो समाज अपने अन्नदाता के श्रम को आंकड़ों में मापने लगता है, वह धीरे-धीरे संवेदनाओं में दरिद्र हो जाता है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'कागज़ का किसान बनाम मिट्टी का सचः 20-25 दिन की खेती का भ्रम '

राजनीति में बयान अक्सर सुर्खियाँ बनते हैं, लेकिन कभी-कभी वे समाज की सबसे गहरी सच्चाइयों को भी अनजाने में उजागर कर देते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह कथन कि 'किसान साल भर में केवल 20-25 दिन ही खेत में काम करता है ', ऐसा ही एक बयान है–जो चर्चा से ज्यादा चिंतन की मांग करता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। किसी किसान सभा में सफेद कुर्ते पजामे पहनकर रंगीन मॉडल हल कंधे पर रख देने से क्या कोई किसान हो सकता है। भाषण में किसान का बेटा कह देने से क्या खेती का कार्य हो सकता है। खेती का काम करने वाले किसान के पास में घड़ी उसका आसमान होता है। और काम करने के समय का निर्धारण प्रकृति की हालत करते हैं। किसान परिश्रम से नाहता है जहां पानी नहीं पसीना होता है। और मिट्टी के बिछौने पर सोता है तब जाकर हमारी थाली में अनाज का निवाला डलता है। किसान के परिश्रम के समय का निर्धारण हेलीकॉप्टर में उड़ान भरते हुए या फिर एयर कंडीशन रूम में बैठकर तय करें। क्या यह संभव है। कभी प्रकृति की मार और कभी आवारा पशु का तांडव फसल को चौपट करें और किसान सर्दी, गर्मी बरसात के मौसम में अपने खेत की मेड़ पर अपना जीवन तिल तिल कर काट दे उसे समय का निर्धारण आप कौन सी श्रेणी के काम के घंटे में कैसे तय कर पाएंगे जरा यह भी बता देते। यह बयान सुनते ही एक सवाल मन में उठता है– क्या खेती सचमुच इतनी आसान है? क्या खेत केवल 20-25 दिनों में हरे-भरे होकर अनाज उगा देते हैं? या फिर यह सोच उस दूरी का परिणाम है, जो सत्ता और खेत की मेड़ के बीच पैदा हो चुकी है? दरअसल, खेती को केवल 'बुवाई' और 'कटाई' के दो-चार खास दिनों तक सीमित कर देना वैसा ही है, जैसे किसी किताब को केवल उसके पहले और आखिरी पन्ने से समझ लेने की कोशिश करना। असल कहानी तो उन पन्नों के बीच छिपी होती है–जहाँ किसान हर दिन अपने पसीने से मिट्टी को सींचता है।

किसान का कोई तय 'ऑफ डे' नहीं होता। उसका कैलेंडर मौसम से चलता है, और घड़ी आसमान से। वह सुबह की पहली किरण से पहले उठता है, खेत की नमी को हाथ से महसूस करता है, पौधों की हरियाली में आने वाले खतरे को आँखों से पढ़ता है। कभी कीटों का हमला, कभी पानी की कमी, कभी आवारा पशुओं का डर–ये सब उसके रोज़मर्रा के 'अनकाउंटेड वर्किंग आवर्स' हैं, जिन्हें कोई सरकारी आंकड़ा दर्ज नहीं करता। मुख्यमंत्री का यह कहना कि 'रोज़ 4 घंटे काम करने से किसान की आय दोगुनी हो सकती है ', सुनने में आकर्षक जरूर है, लेकिन यह खेती को एक दफ्तर की नौकरी समझने जैसा है–जहाँ घंटे तय होते हैं और परिणाम निश्चित। हकीकत यह है कि खेती में मेहनत की गारंटी होती है, लेकिन परिणाम की नहीं। राजस्थान का किसान तो विशेष रूप से प्रकृति के साथ एक निरंतर संघर्ष का नाम है। कभी बादल धोखा दे जाते हैं, कभी बारिश उम्मीद से ज्यादा हो जाती है। कभी ओलावृष्टि खड़ी फसल को गिरा देती है, तो कभी सूखा बीज को अंकुरित होने से पहले ही मार देता है। ऐसे में '4 घंटे' का गणित उस दर्द को नहीं समझ सकता, जो एक किसान हर दिन जीता है। और अगर खेत में मेहनत के बाद भी किसान बच जाता है, तो अगली परीक्षा मंडी में होती है। वहाँ उसकी उपज का मूल्य उसकी मेहनत से नहीं, बल्कि बाजार की मर्जी से तय होता है। आढ़तियों की ऊँची आवाज़ में किसान की आवाज़ अक्सर दब जाती है। विडंबना यह है कि जो किसान पूरे साल अपनी फसल को बचाने के लिए रातें जागता है, वही किसान अपनी उपज बेचते समय सबसे ज्यादा बेबस दिखाई देता है। व्यंग्य की चरम स्थिति तब होती है, जब किसान को 'कम काम करने वाला' बताया जाता है, जबकि वह खाद और बीज के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहता है। जब उसकी बारी आती है, तो जवाब मिलता है– 'स्टॉक खत्म है। ' अब जरा यह भी तय कर लिया जाए कि यह इंतजार किस 'वर्किंग डे' में जोड़ा जाएगा? छोटे और सीमांत किसानों की स्थिति तो और भी जटिल है। छोटे-छोटे खेत, सीमित संसाधन, महंगी मशीनें और बढ़ती लागत–इन सबके बीच खेती अब व्यवसाय कम, संघर्ष ज्यादा बन चुकी है। सरकारी योजनाओं और मुआवजे की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं है। कहीं बिजली लाइन के लिए जमीन जाती है, तो मुआवजा इतना कम मिलता है कि नुकसान की भरपाई तो दूर, दिलासा भी नहीं बन पाता। पड़ोसी राज्यों में बेहतर व्यवस्था देखकर किसान का मन और भी विचलित होता है। सबसे बड़ा सवाल यही है–क्या किसान को समझने की कभी गंभीर कोशिश हुई है? क्या उसकी समस्याओं पर कोई ठोस शोध हुआ है, या सब कुछ केवल भाषणों तक सीमित है? किसान को उपदेश नहीं, व्यवस्था चाहिए। उसे सलाह नहीं, समर्थन चाहिए। अगर समय पर खाद-बीज मिल जाए, उचित मूल्य सुनिश्चित हो, सिंचाई और सुरक्षा की व्यवस्था हो–तो किसान किसी प्रेरणादायक भाषण का मोहताज नहीं रहेगा। वह अपनी मेहनत से ही इतिहास लिख सकता है। क्योंकि किसान कोई '20-25 दिन' का कर्मचारी नहीं, बल्कि '365 दिन' का साधक है– जो मिट्टी में मिलकर जीवन उगाता है।

अंत में, एक सरल लेकिन चुभता हुआ प्रश्न– अगर किसान सच में इतना कम काम करता है, तो फिर देश की रसोई हर दिन कैसे जलती है? शायद यही सवाल उस बयान का सबसे सशक्त उत्तर है– जो कागज़ पर नहीं, जमीन पर लिखा गया है।

वसुंधरा राजे होती तो राजस्थान में ज्यादा विकास होताः अखिलेश यादव

धुरंधर को लेकर कहा- सभी पात्र काल्पनिक हैं, समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा से मुकाबला सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, बल्कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय करेगा। राजस्थान की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री होतीं तो राज्य में और ज्यादा विकास होता। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया, गठबंधन राजनीति और राष्ट्रीय मुद्दों पर भी खुलकर अपनी बात रखी। जयपुर में एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे

अखिलेश यादव ने धार्मिक और सामाजिक मुद्दों पर बोलते हुए कहा कि असली संतों और नकली संतों के बीच फर्क समझना जरूरी है। उन्होंने बिना नाम लिए कुछ साधुओं पर निशाना साधते हुए कहा कि जो खुद को आध्यात्मिक बताकर प्रमाण मांगते हैं, वे समाज को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने शंकराचार्य के विचारों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे नकली संतों का मुकाबला कर रहे हैं।

धुरंधर पर बोले- फिल्मों के जरिए समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश

यादव ने धुरंधर फिल्म और वेब सीरीज को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जैसे फिल्मों में लिखा जाता है कि सभी पात्र काल्पनिक हैं। उसी तरह भाजपा भी कहानी गढ़ने का काम करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्मों और कंटेंट के जरिए समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है, जो अगले कुछ वक्त में और ज्यादा होगा।

चुनावी प्रक्रिया को लेकर अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा फर्जी हस्ताक्षर तक करवाए गए और प्रशासन यह पता लगाने में लगा है कि जानकारी बाहर कैसे आई। उन्होंने इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग भाजपा के दबाव में काम कर रहा है। गठबंधन राजनीति पर उन्होंने कहा कि वे पहले भी कई गठबंधन कर चुके हैं और फिलहाल जो गठबंधन चल रहा है, वही जारी रहेगा। उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन आने वाले समय में और मजबूत होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी फिलहाल राजस्थान में चुनाव नहीं लड़ रही है। वहीं नीतीश कुमार को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि वे उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते थे लेकिन भाजपा ने उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाकर उनके साथ 'धोखा' किया है। उन्होंने इसे एक राजनीतिक षड्यंत्र बताया।

त्याग, तप और शौर्य के मार्ग पर चलकर ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव- सुभाष बराला

समैन में भगवान परशुराम जयंती पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

सांसद सुभाष बराला व खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने किया संबोधन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को गांव समैन में भगवान परशुराम जी के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी और खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भगवान परशुराम जी के आदर्श त्याग, तप, शौर्य और धर्म रक्षा हमारे समाज के लिए आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि परशुराम जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि जब-जब अन्याय और अधर्म बढ़ता है, तब सज्जनों को एकजुट होकर उसके विरुद्ध खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के दौर में हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में नैतिक मूल्यों, सत्य और न्याय की स्थापना के लिए कार्य करना चाहिए। बराला ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और सनातन परंपराएं ही हमें

एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र बनाने की दिशा में मार्गदर्शन देती हैं। ऐसे आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करते हैं। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है, जहां हमारी संस्कृति और परंपराओं को भी समान महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर ऐसे प्रयास करने चाहिए, जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी अपने महापुरुषों के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में समरसता और एकता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। भगवान परशुराम जी के आदर्श हमें यह संदेश देते हैं कि समाज के कमजोर वर्गों की रक्षा और न्याय के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम जी का जीवन अनुशासन, पराक्रम और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को उनके आदर्शों को अपनाकर अपने जीवन में लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है और ऐसे धार्मिक व सामाजिक आयोजन युवाओं में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम जी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया तथा समाज में समरसता, सद्भाव और राष्ट्र निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व सांसद डीपी वत्स, सुरेंद्र पूनिया, विक्रम प्रभाकर, सतीश शर्मा, राजेश शर्मा,ललित मोहन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर चिड़ावा में पुष्पांजलि कार्यक्रम सैनी धर्मशाला आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर शनिवार को चिड़ावा स्थित सैनी धर्मशाला में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सामाजिक कार्यकर्ता मेहर कटारिया के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने शिरकत की और महात्मा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चिड़ावा नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन ओमप्रकाश बसवाला मौजूद रहे। इस दौरान पूर्व पार्षद महेश कटारिया, निवर्तमान पार्षद मोहित सैनी, सुरेश चंदेलिया, तेजप्रकाश सोनी, राकेश सोनी, विशाल सैनी, मुकेश कालुडिया, नायब सूबेदार सुखदेव सिंह, योगेंद्र मातूराम सैनी, मुरलीधर सैनी, मनोज कटारिया, गजानंद सैनी, बाबूलाल कटारिया, महिपाल सैनी, शेरसिंह सैनी, शंभुदयाल, दलीप सैनी, अमित सैनी जोनी, अशोक माखरिया, दीपक सैनी, कृष्ण बसवाला, विश्वास जोशी, मनीष सांखला, संजय गहलोत, दक्ष कटारिया, रतनलाल सैनी और अमित कटारिया सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। उपस्थित वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन संघर्ष और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने एकजुट होकर उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने की बात कही।

फुले-अम्बेडकर वाहन रैलीः सामाजिक न्याय के नारों से गूंजा झुंझुनूं

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं एवं सर्व समाज के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को फुले-अम्बेडकर वाहन रैली, शोभायात्रा एवं पुष्पांजलि सभा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला मुख्यालय स्थित सैनी मंदिर से महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। रैली को झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भांम्बू, सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरी सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहें। रैली के दौरान 'महात्मा ज्योतिबा फुले अमर रहें ', 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर अमर रहें' और 'शिक्षा क्रांति के जनक फुले अमर रहें' जैसे नारों से पूरा शहर गूंज उठा। रैली में फुले, सावित्रीबाई फुले एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित आकर्षक झांकियां भी निकाली गईं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं।

रैली के माध्यम से महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा स्थापना के लिए भूमि आवंटन, फुले एवं सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न देने तथा शहर के प्रमुख सर्किल का नाम उनके नाम पर रखने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। संस्था के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज के शोषित, वंचित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए जो विचार दिए, वे आज भी प्रासंगिक हैं। वहीं विधायक राजेन्द्र भांम्बू एवं श्रवण कुमार ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने फुले के विचारों को अपनाकर भारतीय संविधान के माध्यम से देश को मजबूत लोकतांत्रिक आधार प्रदान किया।शोभायात्रा के दौरान विभिन्न समाजों के लोगों ने पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया। कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सामाजिक समरसता, शिक्षा और समानता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

फुले-अम्बेडकर प्रेरणा पर्वः चिड़ावा में भाषण प्रतियोगिता आयोजित, पुनीत सोनी और विनीत पंसारी ने मारी बाजी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

गर्ल्स पॉवर महिला मंडल चिड़ावा की ओर से महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के अवसर पर 'फुले-अम्बेडकर प्रेरणा पर्व' का भव्य आयोजन किया गया। संयोजिका पूजा शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत 'महिलाओं के उत्थान में फुले-अम्बेडकर का योगदान' विषय पर एक प्रभावशाली भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर अपने विचार रखे।

उजाला सैनिक एकेडमी एंड गर्ल्स पीजी के हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अवॉर्डी प्रभुशरण तिवाड़ी, वरिष्ठ सर्जन डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, पूर्व चेयरमैन मधु शर्मा, राजस्थान संस्था की चेयरपर्सन नितिका थालोर और पूर्व व्याख्याता डॉ. अनीता मोदी मौजूद रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, भूपेंद्र सिंह छावसरी, मोहित शर्मा, जगमोहन और मधुकर ने शिरकत की। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे भाषण प्रतियोगिता में युवाओं की कड़ी टक्कर के बीच निर्णायक मंडल (डॉ. शशि शर्मा, सोना चेतीवाल एवं निधि शर्मा) ने विजेताओं की घोषणा की जिसमें प्रथम स्थान पुनीत सोनी (सूरजगढ़), द्वितीय स्थान विनीत पंसारी (सूरजगढ़), तृतीय स्थान हर्षिता अडुकिया (चिड़ावा), तनु सैनी, गरिमा भाटी, आदिति मीणा एवं स्नेहा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। विजेताओं को साफा और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शाकंभरी एजेंसी पिलानी की ओर से घी एवं अगरबत्ती के डिब्बे भेंट किए गए। मंडल अध्यक्ष पूजा शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को महापुरुषों के समाज सुधार के कार्यों से परिचित कराना है। कार्यक्रम में उजाला चौधरी, सुशील सैनी, सोनू स्वामी, टीना शर्मा, सुधा जांगिड़, किरण चौधरी सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल की सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन निर्मल शर्मा व ख्याति केडिया ने किया और सह-संयोजिका नेहा सैनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मोहित कुमार यादव के जन्मदिन पर स्वेच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मोहित कुमार यादव (निदेशक रॉयल पी.जी गेस्ट हाउस, व रॉयल टूर ट्रैवल्स) ने अपना जन्मदिन कुछ विशेष अंदाज में मनाया। उन्होंने अपने यार दोस्तों के साथ मिलकर एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया और सभी से एक-एक यूनिट ब्लड डोनेट करने को प्रेरित किया। इस अवसर पर 46 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ और सभी युवा साथियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। ब्लड डोनेट करने के बाद सभी को नाश्ता, जूस और फ्रूट खिलाकर उनका आभार व्यक्त किया गया। मोहित यादव ने कहा कि वह आने वाले भविष्य में भी ऐसे काम करता रहेगा एवं सभी को यही कहूँगा कि आपको भी समय समय पर ऐसे काम करते रहना चाहिए। मोहित यादव ने बताया कि हमे अपनी ज़िंदगी में ऐसे काम करते रहना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी का ध्यान सभी के हित में रहे। कार्यक्रम के दौरान मोहित यादव, संदीप गुर्जर, अजीत, भंडारी, सोनु, भोजराज, ठेकेदार हरफूल मीणा, नरेश दोसोद, नवीन, रितिक टूर ट्रैवल्स एवं रॉयल पीजी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

कस्बे में धूमधाम से मनाई ज्योतिबा फुले जयंती

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे मेंघूम चक्कर के पास स्थिति सैनी मंदिर में महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। विधायक भगवान राम सैनी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, विवाह एवं सामाजिक कार्यक्रमों में अनावश्यक खर्चों को कम करने, बच्चों की शिक्षा पर जोर देने तथा सामाजिक समरसता बनाये रखने पर बल दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैनी समाज अध्यक्ष केदारमल सैनी ने की। इस अवसर पर मंदिर कमेटी अध्यक्ष बीरबल सैनी, सैनी समाज के पूर्व अध्यक्ष विनय कुमार सैनी, सेवानिवृत उपनिदेशक रामकरण सैनी, महामंत्री बनवारी लाल सैनी, एडवोकेट श्रवण कुमार सैनी, कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बीएल सैनी, डॉ अशोक कुमार सैनी, पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि विश्वेश्वर लाल सैनी, पार्षद शिव प्रसाद चेजारा, शिक्षाविद् सहदेव सैनी, सेवानिवृत प्रधानाचार्य भागमल सैनी मदनलाल सैनी से0नि0एस आई, डॉक्टर अशोक कुमार सैनी, राधेश्याम रचयिता, पवन कुमार शाह, नेहरू वाल्मीकि बाबूलाल सैनी गिरधरपुरा, सेवानिवृत्त कंपाउंडर महेश कुमार सैनी, किसान नेता धनाराम सैनी, बागोरा सरपंच प्रतिनिधि रमेश सैनी, सेवानिवृत्ति प्रधानाध्यापक सीताराम सैनी,किसान नेता धनाराम सैनी, राकेश सैनी,नेहरू वाल्मीकि, डॉ मुकेश बागड़ी, सेवानिवृत्त प्रसार अधिकारी बोदूराम सैनी, सेवानिवृत शिक्षक रामलाल सैनी एडवोकेट प्रभु दयाल सैनी,सुरेश नायक, रामकरण सैनी,मोतीराम सैनी,रमेश असवाल, से0नि0 शिक्षक रामलाल सैनी,पूर्व पार्षद जगदीश बागड़ी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन बनवारी लाल सैनी ने किया । कस्बे में दूसरी ओर पुराना बस स्टैंड के निकट देश के समाज सुधारक ज्योतिबा फूले की जयंती मीनू सैनी के द्वारा आयोजित की गई। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फूले की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक भगवाना राम सैनी थे। विशिष्ट अतिथि सैनी समाज अध्यक्ष केदारमल सैनी, खटीक समाज अध्यक्ष हरिराम असवाल, विप्र समाज अध्यक्ष गौतम मारवाल, रेगर समाज अध्यक्ष गंगाधर , सेन समाज अध्यक्ष सुरेश सेन ,कुमावत समाज अध्यक्ष शिवप्रसाद चेजारा ,तेली समाज अध्यक्ष बसीर तेली ,मेघवाल समाज से हंसा वर्मा, गुर्जर समाज से नरेश धाबाई, पार्षद प्रतिनिधि राकेश जमालपुरिया सहित आदि थे।

रैफल्स विश्वविद्यालय में ड्रोन डिज़ाइन टेक्नोलॉजी पर ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना द्वारा स्काई ऑप्स टेक्नोलॉजीज़ एल एल पी के सहयोग से 'स्ट्रेटेजिक कोलैबोरेशन इन ड्रोन डिज़ाइन टेक्नोलॉजी विद आई आई टिअन्स' विषय पर एक ऑनलाइन वर्कशॉप एवं रणनीतिक चर्चा का सफल आयोजन 11 अप्रैल को किया गया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को ड्रोन डिज़ाइन, यू ए वी तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स तथा इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के उभरते क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का मुख्य फोकस छात्रों को उद्योग-उन्मुख कौशल विकसित करने एवं तेजी से बदलते द्ध- आधारित जॉब मार्केट के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिनमें विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर, 4-8 सप्ताह के संरचित इंटर्नशिप एवं स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, तथा विश्वविद्यालय परिसर में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस एवं अत्याधुनिक ड्रोन लैब की स्थापना शामिल रही। प्रतिभागियों को ड्रोन टेक्नोलॉजी में उच्च मांग वाले करियर विकल्पों के साथ-साथ डिजिटल लिटरेसी, प्रॉब्लम सॉल्विंग एवं कॉर्पोरेट इमोशनल इंटेलिजेंस जैसे आवश्यक कौशलों के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही एनसिस (सी ?फ़ डी), ओपन फॉम, कैड, मैट लैब एवं लाइनस जैसे उन्नत टूल्स पर व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया। इस वर्कशॉप में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को द्धद्ध्र प्रमाणपत्र प्रदान किया गया, जिससे कार्यक्रम की उपयोगिता और अधिक बढ़ गई। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. राजेंद्र सिंह खटाना, डीन, स्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की समन्वयक सुश्री रश्मि चौधरी रहीं, जबकि सह-समन्वयक के रूप में सुश्री वंदना स्वामी एवं श्री रवि कुमार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आईटी एवं सॉफ्टवेयर सपोर्ट हेमंत कुमार, राम कुमार एवं सुनील कौशिक द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संकाय सदस्य उपस्थित रहें।

'देखेगा विद्यार्थी, सीखेगा विद्यार्थी' कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों ने किया रेलवे स्टेशन नुआ का शैक्षणिक भ्रमण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से 'देखेगा विद्यार्थी, सीखेगा विद्यार्थी' कार्यक्रम को लेकर आज आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय मंडावा के छात्र छात्राओं का एक दल क्षेत्र में रेलवे स्टेशन नुआ का शैक्षणिक भ्रमण का किया। इस भ्रमण में विद्यालय की फाउंडेशन क्लासेज के छात्र-छात्राओं के साथ 3 राज नेवल एनसीसी यूनिट जयपुर के एनसीसी कैडेट्स ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। भ्रमण के दौरान शिक्षिका प्रीति जोशी एवं अध्यापक नदीम खान विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे। पूरे दल का नेतृत्व एनसीसी सीटीओ गोविन्द सोनी द्वारा किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन एवं सीखने के महत्व के प्रति प्रेरित किया। भ्रमण के दौरान रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर सुरेश कुमार डूडी ने विद्यार्थियों को रेलवे की कार्य प्रणाली, सिग्नलिंग सिस्टम एवं यातायात संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं पॉइंटमैन विजय कुमार ने विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया तथा स्टेशन का विस्तृत भ्रमण करवाया।

विद्यालय निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने इस कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करते हैं। प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और इस शैक्षणिक भ्रमण को अत्यंत उपयोगी बताया।

जोधपुरा में बड़े धूमधाम से मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

शिक्षा ही वह माध्यम है जो उजाले की ओर ले जा सकता है- रतन मीणा जोधपुरा

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । प्रमुख समाज सुधारक एवं शिक्षा के क्रांति दूत महात्मा ज्योतिबा फुले 199 वी जयंती पर जोधपुरा मे भव्य समारोह का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता भवानी सिंह शेखावत ने की तथा विशिष्ट अतिथि रीछपाल सैनी, अमरचंद गुर्जर रहें। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्रीबाई फूले के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि से हुई। कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रुप मे आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रतन मीणा जोधपुरा ने विचार प्रकट करते हुए कहा की हमे सकारात्मक सोच से हमे समाज मे अपनी भूमिका तय करनी चाहिए। शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति को उजाले की ओर ले जा सकती है व अंधविश्वास मुक्त समाज की स्थापना, वैज्ञानिक सोच को बढावा देने के लिए आव्हान किया। पिछड़ा, दलित,आदिवासी समाज के बच्चे आज भी संसाधनों के अभाव मे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। उन्होने बालिका शिक्षा पर प्रभाव डालते हुए कहा की देश के विकास व अंध विश्वास मुक्त समाज की स्थापना के लिए देश आधी आबादी का शिक्षित होना बहुत आवश्यक है वर्ना देश वांछित प्रगति के आयाम स्थापित नहीं कर पाएगा। ज्योति गुर्जर ने सम्बोधित करते महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन पर प्रकाश डाला । गुमान सिंह गुर्जर ने आगन्तुक महानुभावों का स्वागत करते हुए कहा की महात्मा जी के जीवन को आदर्श मानते हुए हमें समाज मे आचरण करना चाहिए। इस अवसर पर रीछपाल सैनी,मुकेश सैनी,प्रकाश सैनी,विजेंद्र सैनी,पप्पू राम सैनी,अमरचंद गुर्जर, उप सरपंच शीशपाल, नेमीचंद बाल्मीकि, भूपेन्द्र मीणा,शैतान गुर्जर, गुमान सिंह गुर्जर, विक्रम सैनी,छोटूराम सैनी, रुप चंद सैनी,पूजा मीना,मनीषा सैन, नविन्दा वर्मा, सुरेन्द्र गुर्जर, आदित्य सैनी,वेदप्रकाश, रोहित मीणा ,भूपेंद्र सहित सैकड़ें की संख्या मे महानुभाव उपस्थित रहें।

199वीं फुले जयंती मनाई धूमधाम से, सम्मान समारोह में मेधावी प्रतिभाओं का किया सम्मान

समाज में शिक्षा, समानता एवं भाईचारे का संदेश घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । सामाजिक समरसता और समानता के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती आज एडवोकेट राजकुमार सैनी के मुख्य आतिथ्य एवं ओम प्रकाश की अध्यक्षता में सैनी समाज मंदिर परिसर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के इस अवसर पर अतिथियों ओर समाज के गणमान्यजनों ने फूले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एडवोकेट राजकुमार सैनी ने कहा कि महात्मा फूले का जीवन समाज के वंचित और शोषित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा और उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि फूले के आदर्श वर्तमान समय में भी बेहद प्रासंगिक हैं। इस दौरान अन्य वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने 19वीं सदी में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किए और समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। विशेष रूप से फुले द्वारा स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने और 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना को ऐतिहासिक बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा और समानता के लिए उनका योगदान आज भी प्रेरणादायक है। जयंती के इस मौके पर समाज की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन कर बोर्ड परीक्षा में टॉपर्स रही मेधावी प्रतिभाओं का प्रतीक चिन्ह, माल्यार्पण ओर पुरस्कार प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि महेंद्र बालान, बनवारी लाल मारोठिया, बलराम बालान, मोहन लाल चुनवाल, शिव प्रसाद मारोठिया, बेगराज चौपदार के साथ शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे माहौल में सामाजिक एकता और जागरूकता का संदेश गूंजता नजर आया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने और समाज में शिक्षा, समानता एवं भाईचारे का संदेश घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

समस्या पर हुई त्वरित कार्रवाई, वार्ड के वाशिंदों को मिली राहत, पीने के पानी का हुआ समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

यहां के वार्ड 38 में पीने के पानी की समस्या के समाधान की मांग को लेकर गुरुवार को पंचायत समिति सभागार में आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में पीसीसी चीफ लक्ष्मनगढ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा, उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा सहित उपस्थित ब्लॉक स्तरीय विभागों के अधिकारियों के समक्ष पूर्व पार्षद राकेश कुमार सैनी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरूषों ने पहुंच कर वार्ड में पीने के पानी की समस्या की बात रखते हुए ट्यूबवेल कनेक्शन पुनः जोड़ने की मांग कर ज्ञापन दिया। आयोजित जनसुनवाई में विधायक डोटासरा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही कर ट्यूबवेल कनेक्शन को वार्ड के जोड़ने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया था। पूर्व पार्षद राकेश कुमार सैनी ने बताया कि विधायक के निर्देश पर विभाग ने ट्यूबवेल का कनेक्शन वार्ड के लिए पुनः जोड़कर कर वार्ड 38 के वाशिंदों को पीने के पानी की समस्या से निजात दिलाकर नागरिकों को राहत प्रदान की है । उन्होंने भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए राहत प्रदान करने, त्वरित कार्रवाई कर समस्या का समाधान करने पर वार्ड की जनता की ओर से विधायक, उपखंड अधिकारी, जलदाय विभाग सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है।

महात्मा ज्योतिबाराव फुले एवम् डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती का आयोजन

इस अवसर पर जीटी कॉलेज में हुआ रक्तदान शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे के गोस्वामी तुलसीदास महाविद्यालय में किया गया। जिसमे रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। युवाओ ने काफ़ी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यकर्म की अध्यक्षता युवा कांग्रेस के उदयपुरवाटी विधानसभा अध्यक्ष प्रत्याशी हिमांशु सैनी एवं विकास सैनी की उपस्थिति मे हुई। रक्तदान शिविर में त्तञ्ज कॉलेज संचालक सहदेव सैनी, धर्मवीर सैनी, दिनेश मिटावा?, इंद्राज सैनी,मनीष शेखावत, रणजीत कटारिया,डॉ मुकेश बागड़ी,किसान नेता धन्नाराम सैनी, BL सैनी,सुल्तान सिंह, निखिल बाटू एवं 5600 ग्रुप के संचालक रणवीर सिंह खंडेला भी उपस्थित रहें। रक्तदान शिविर में 116 यूनिट का संग्रहण गीता फाउंडेशन के निर्देशक जीएस विनोद कुमार के निर्देशन में शांति ब्लड बैंक द्वारा किया गया ।

अंबेडकर भवन में रक्तदान शिविर: 52 यूनिट रक्त संग्रह, युवाओं से आगे आने का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिला मुख्यालय स्थित अंबेडकर भवन में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती तथा स्व. सुरेंद्र सिंह टांक की स्मृति के उपलक्ष में मेघवंशीय समाज चेतना संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ भाजपा नेता एवं समाजसेवी राजेश दहिया ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर राजेश दहिया ने महात्मा ज्योतिबा फुले, डॉ. भीमराव अंबेडकर, बी.एल. चिरानिया एवं स्व. सुरेंद्र सिंह टांक की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बढ़-चढ़कर रक्तदान किया।संस्थान के जिला संयोजक रामनिवास भूरिया एवं महासचिव मदनलाल गुडेसर ने बताया कि बीडीके अस्पताल की ब्लड बैंक टीम द्वारा कुल 52 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदाताओं को संस्थान की ओर से बाबा साहब की प्रतिमा एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राजेश दहिया ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक युवा को मानवता की सेवा के लिए वर्ष में कम से कम दो बार रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान न केवल जरूरतमंदों के जीवन को बचाता है, बल्कि इससे दाता का स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। इस दौरान अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक महावीर सानेल, रामनिवास भूरिया, मदनलाल गुडेसर सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रही और सभी ने सामाजिक सेवा के इस कार्य को सराहा।

दलित पर हुए हमले पर आरोपीयों की गिरफ्तारी न होने पर अब तक पुलिस मौन क्यों -दलित एक्टिविस्ट कमल राणा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

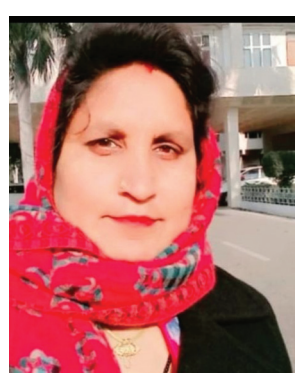

टोहानाज में पिछले एक महीने से दलित समाज के एक व्यक्ति के परिवार पर भूरे हमले के आरोपीयों को अब तक गिरफ्तार न करने पर आल इंडिया दलित अधिकार मंच की वरिष्ठ नेत्री कमल राणा वाल्मिक समाज के स्थानीय नेता कृष्ण कन्हड़ी ने संयुक्त रूप से दलित परिवार पर भूरे हमले में सभी आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग की है तथा स्थानीय पुलिस उप अधीक्षक टोहाना जो इस मुकदमा नंबर 80/2026में जांच अधिकारी भी है से आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने को कहा है ताकि दलित समाज को न्याय मिल सके। दलित एक्टीविस्ट कमल राणा ने स्थानीय पुलिस व प्रशासन पर आरोप लगाया है कि मुकदमा दर्ज होने के एक महीने बाद भी टोहाना पुलिस राजनैतिक दबाव के कारण आरोपीयों को गिरफ्तार नहीं कर रही है उनका इशारा स्थानीय पूर्व विधायक पर है जो आरोपियों को बचाने का काम कर रहा है। टोहाना का वाल्मीकि समाज पूर्व विधायक के इस प्रकार के राजनैतिक संरक्षण देने से साफ तौर नाराज है। दलित एक्टीविस्ट कमल राणा व टोहाना के दलित समाज के संगठनों ने पुलिस प्रशासन से कहा है कि आगामी 7 दिनों में सभी आरोपियों को गिरफतार नहीं किया तो दलित संगठन सड़कों पर उतरे को मजबूर होगा।

मोहिनी देवी गोयनका महाविद्यालय में विदाई और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में सीनियर छात्राओं की विदाई एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम गोयनका शिक्षा व शोध संस्थान के अध्यक्ष श्याम सुंदर गोयनका तथा मुख्य अतिथि डॉ.मीना शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता, एवं गेस्ट आफ ऑनर के रूप में अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी व खेल अधिकारी, शासन सचिवालय मालती चौहान एवं प्रोफेसर राजीव गुप्ता, समाजशास्त्र विभाग,राजस्थान विश्वविद्यालय के आतिथ्य में आयोजित हुआ। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. अर्चना शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की सीनियर छात्राओं को जीवन में सफलता, सकारात्मक व ऊर्जावान बने रहने, एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि डॉ. मीना शर्मा ने अपने लक्ष्य पर एकाग्रता के साथ डटे रहने और कठिन परिश्रम के साथ नये कैरियर और जीवन में उन्नति के मुकाम हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। गेस्ट आफ ऑनर मालती चौहान ने खेलों में छात्राओं को आगे बढ़ाने , अपने में आत्मविश्वास, टीम भावना, जीवन कौशल और अनुशासन के विकास द्वारा सफलता व ऊंचाइयों तक पर बल दिया। इस अवसर पर छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। अतिथियों ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाली छात्राओं व खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। गोयनका संस्थान के अध्यक्ष गोयनका ने सभी छात्राओं को आशीर्वाद और उन्नति करते हुए अपने परिवार समाज और राष्ट्र को गौरवान्वित करने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर

गोयनका शिक्षा व शोध संस्थान के सभी संस्था प्रधान उपस्थित रहे। गोयनका संस्थान के अध्यक्ष श्याम सुंदर गोयनका ने सभी सीनियर छात्राओं को आशीर्वाद स्वरूप राजस्थानी पोशाक भेंट की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सीनियर छात्राओं ने अपने महाविद्यालय के अनुभव साझा करते हुए विदाई देने वाली जूनियर छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रजनी जोशी ने किया। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय स्टाफ और छात्राएं उपस्थित रही।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना में SOF ओलंपियाड के विजेताओं का सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना में आज SOF ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की शनिवार गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना रहा।विद्यालय के प्रधानाचार्य मनमोहन शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि, 'विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि विद्यालय के लिए भी गर्व का विषय है। ऐसे प्रतियोगी परीक्षाएं बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करती हैं।' वहीं विद्यालय प्रबंधक

हवा सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, 'हमारा उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समग्र विकास के अवसर प्रदान करना है। हम आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे ताकि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिल सके।'

कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस मौके पर विद्यालय के परीक्षा प्रभारी पंकज शर्मा, अकाउंट्स ऑफिसर संदीप दायमा, लोकेंद्र कुमार जांगिड़, मुस्कान अग्रवाल, मुनेश कुमारी, संदीप कुमार, आशीष नेहरा, सन्नी शर्मा, चंद्रेश भारद्वाज, सरिता कुमारी, बबीता कुमारी, रवीना कंवर, पूनम शर्मा, पूनम यादव, सुनीता पॉल, अंकिता पुनिया, अंशू तंवर, पूनम जांगिड़ सहित सभी शिक्षकगण, छात्र छात्राएं , गैर शैक्षणिक स्टाफ से प्रदीप शर्मा, सचिन शर्मा, प्रेम देवी, दुर्गा देवी एवं परिवहन विभाग से राजेंद्र गजराज, अनिल सिंह, प्रदीप मान, विक्रम नेहरा, पवन यादव, मोनू यादव, उदयभान, सचिन शर्मा उपस्थित रहे ।

श्रद्धांजलि अर्पित कर मनाई महात्मा फुले जयंती, सिंघाना से बड़ी संख्या में वाहन रैली में शामिल हुआ समाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

क्रांतिसूर्य महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती के अवसर पर माली सैनी समाज ब्लॉक सिंघाना द्वारा फुले सर्किल ढाणा में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष डी.पी. सैनी ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले के विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं, जिन्हें अपनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुल्दाराम पंच ने की। समारोह में सरपंच विकास सैनी मुख्य अतिथि एवं समाजसेवी प्रभु हलवाई विशिष्ट अतिथि के रूप में

उपस्थित रहे। अतिथियों ने समाज में शिक्षा, जागरूकता और एकता को मजबूत बनाने पर जोर देते हुए युवाओं से महापुरुषों के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर रामवतार हलवाई, लक्ष्मण सिंह सैनी (शिक्षाविद), विजेंद्र सैनी (अध्यापक), धूड़ाराम, कैलाश मास्टर, सुनील (ई-मित्र), राजू, अशोक (पार्षद), आकाश कुमार, अभिषेक सैनी, नोरंग, फूलचंद, बाबूलाल, बजरंग सैनी टेलर, दीपक, सुरेंद्र सैनी, मुकेश, विक्रम सिंह, राकेश कुमार, सुनील, नरेश कुमार, महावीर सैनी, रणजीत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम के पश्चात सिंघाना से बड़ी संख्या में समाज के लोग फुले-अंबेडकर वाहन रैली में शामिल होने के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने एकता और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

फुले-अंबेडकर जयंती पर अटेली मंडी में जनसभा, महापुरुषों के विचार अपनाने का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज.अटेली

मंडी। राष्ट्रीय बौद्ध महासभा एवं सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन, नारनौल के संयुक्त तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिवस के उपलक्ष में अटेली मंडी में एक जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सीमा खाड़ीया (एसोसिएट प्रोफेसर) उपस्थित रहीं, जबकि अध्यक्षता राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह ने की।मुख्य अतिथि डॉ. सीमा खाड़ीया ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने महिलाओं की शिक्षा और अधिकारों के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा, बाल विवाह, अंधविश्वास और विधवा उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा के बल पर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, जो फुले के विचारों का ही परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के बिना मनुष्य का विकास संभव नहीं है और अज्ञानता सबसे बड़ा शत्रु है।कवि सुंदरलाल

'उत्सुक' ने कहा कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य संवारने के लिए महापुरुषों के विचारों को अपनाना जरूरी है, अन्यथा समाज विकास की बजाय विनाश की ओर बढ़ेगा। राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के सचिव कृष्ण कुमार ने कहा कि महापुरुषों को केवल एक दिन याद करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। जनसभा में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने ज्योतिबा फुले के विचारों को आगे बढ़ाते हुए संविधान के माध्यम से सभी को समान अधिकार दिए। वक्ताओं ने युवाओं को नशे से दूर रहकर समाज निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान बाल कलाकारों एवं प्रतिभाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें बाबा साहब अंबेडकर एवं ज्योतिबा फुले के जीवन पर आधारित प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण रहीं। इस अवसर पर प्रतिभाशाली बच्चों एवं कलाकारों को सम्मानित भी किया गया।कार्यक्रम में अशोक कुमार पार्षद नगर पालिका अटेली मंडी, एडवोकेट सिंह राज यादव, डॉ. जितेंद्र यादव, एडवोकेट करिश्मा, संदीप रोहिल्ला, सूबेदार भूप सिंह, मामराज, राजेंद्र पहलवान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन कामरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट ने किया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

टीलावाली के पास पिकअप पलटी: 6 मजदूर घायल, 5 की हालत गंभीर

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

जसरापुर क्षेत्र के खरखड़ा गांव के पास टीलावाली में शनिवार सुबह मजदूरों से भरी एक पिकअप गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में पिकअप में सवार छह मजदूर घायल हो गए, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार बसंत विहार और खरखड़ा निवासी मजदूर सुबह करीब 8 बजे पिकअप में सवार होकर बसई स्थित एक निर्माण स्थल पर काम करने जा रहे थे। टीलावाली के पास अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और पिकअप सड़क पर पलट गई। हादसे में बसंत विहार निवासी रामूसिंह व अजय तथा खरखड़ा निवासी सुरेश, विक्रम, राजेंद्र और कान्हाराम घायल हो गए। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार प्राथमिक उपचार के बाद विक्रम और अजय की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जयपुर रेफर किया गया, जबकि रामूसिंह, सुरेश और राजेंद्र को झुंझुनूं भेजा गया।

एक अन्य घायल का उपचार खेतड़ी अस्पताल में ही जारी है। डॉ. हर्ष सौभरी ने बताया कि हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पिकअप पलटने से खरखड़ा-चंवरा मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में पुलिस व ग्रामीणों की मदद से सुचारु किया गया।

जिले में सघन तलाशी अभियान: जाखल व सदर फतेहाबाद पुलिस की अलग-अलग कार्रवाई में दो आरोपी काबू

डॉग स्क्वॉड व कमांडो टीम के साथ विशेष अभियान, कुल 15 किलो डोडा पोस्त बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/जाखल।

रजत विजय रंगा । जिले में नशीले पदार्थों की रोकथाम के उद्देश्य से चलाए जा रहे सघन तलाशी अभियान के तहत थाना जाखल व थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को काबू कर भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद किया है। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश के कुशल नेतृत्व में डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम व स्थानीय पुलिस के साथ अभियान चलाया गया। इस दौरान बाजीगर बस्ती सहित विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों व स्थानों की गहन जांच की गई। सर्चिंग के दौरान जीता पुत्र कश्मीरी लाल निवासी बाजीगर बस्ती, जाखल के कब्जे से करीब 5 किलो डोडा पोस्त बरामद कर उसे काबू किया गया। इसी क्रम में थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अनिल उर्फ भीमा पुत्र रामकुमार पुत्र राम प्रताप निवासी धांगड़ के कब्जे से करीब 10 किलो डोडा पोस्त बरामद किया गया। आरोपी को मौके पर ही काबू कर नशीला पदार्थ कब्जे में लिया

गया। दोनों मामलों में संबंधित थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस द्वारा यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी यह नशीला पदार्थ कहां से लेकर आए और किसे सप्लाई करते थे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिले में नशा तस्करी के खिलाफ ऐसे सघन अभियान लगातार जारी रहेंगे और किसी भी सूरत में अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में मनाई फुले जयंती

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास में शैक्षिक व सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती मनाई गई। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने महात्मा ज्योतिबा फुले के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर

वक्ताओं ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्ग के उत्थान तथा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए जीवनभर समर्पित रहे। उन्होंने नारी शिक्षा व सशक्तीकरण को बढ़ावा देने और जाति-प्रथा सहित अन्य कुरीतियों के विरूद्ध जनजागरण का कार्य किया। वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फूले के जीवन-आदर्शों से प्रेरणा लेकर सामाजिक एकता व समानता को मजबूत करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया। इस अवसर पर छात्रावास के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी, संयोजक सज्जन कुमार सैनी, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, कोषाध्यक्ष झाबरमल माली, फाइनेंस कंसल्टेंट अनिल कुमार मैनेजर के नेतृत्व में एक प्रस्ताव तैयार कर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजस्थान के राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि को भेजकर फुले दम्पति को भारत रत्न, महात्मा फुले,व सावित्री बाई फुले जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने, फुले बोर्ड में नियुक्ति करने, बागवानी बोर्ड बनाने, सावित्री बाई फुले जयंती को शिक्षिका दिवस के रुप में मनाने सहित 11 सूत्रीय मांग पत्र देने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर छात्रावास के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे।

मंडावर में फुले जयंती बनी सामाजिक चेतना का महापर्व, भव्य शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । 'जहां जागता है समाज, वहीं बदलता है इतिहास '–कुछ ऐसा ही जीवंत दृश्य शनिवार को मंडावर नगर में देखने को मिला, जब सैनी समाज ने समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती को अद्भुत श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाकर पूरे शहर को मानो एक नई चेतना से सराबोर कर दिया। कर्मठ महात्मा ज्योतिबाराव फुले सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य आयोजन ने न केवल सामाजिक समरसता का संदेश दिया, बल्कि फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम भी बना। इसे लेकर सैनी समाज के महेन्द्र खडोडिया व कुलदीप सैनी ने बताया कि सुबह गढ़ी रेलवे फाटक स्थित सैनी छात्रावास परिसर में ठोड़ी वाले हनुमान मंदिर के समीप विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। जैसे ही यात्रा मुख्य मार्गों की ओर बढ़ी, शहर की फिजां 'जय ज्योतिबा फुले' के जयकारों से गूंज उठी। गढ़ी रोड, नया व पुराना बस स्टैंड, मिस्त्री व कपड़ा मार्केट, तहसील रोड, गांधी चौक और सब्जी मंडी होते हुए यह जनसैलाब गढ़ रोड स्थित बालाजी गार्डन पहुंचा, जहां मुख्य समारोह आयोजित हुआ। डीजे की मधुर धुनों पर लगभग 300 महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर जब थिरकती हुई आगे बढ़ीं, तो वह दृश्य श्रद्धा और सांस्कृतिक गरिमा का अनूठा संगम बन गया, वहीं पुरुषों, युवाओं और बच्चों का जोश देखते ही बन रहा था। रास्ते भर विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों तथा समाजसेवियों द्वारा शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। जगह-जगह पुष्पवर्षा, जलपान और शीतल पेय की व्यवस्थाओं ने आयोजन को और अधिक गरिमामय बना दिया। आकाश ग्रुप ऑफ कॉलेज, साइंस कैंपस स्कूल सहित अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने

समाज की एकजुटता को सराहा और फुले के विचारों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए उन्हें आत्मसात करने का आह्वान किया। बालाजी गार्डन में आयोजित मुख्य समारोह में समाज के अध्यक्ष डॉ. रामकिशन सैनी एवं भामाशाह सोहनपाल सैनी ने महात्मा फुले की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को भावनात्मक ऊंचाई दी, वहीं समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं और हाल ही में सरकारी सेवाओं में चयनित युवाओं को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। यह सम्मान समारोह युवाओं के लिए न केवल प्रेरणा बना, बल्कि समाज के भीतर शिक्षा और प्रगति की दिशा में बढ़ते कदमों का सशक्त प्रमाण भी रहा। 'जिनके विचारों में रोशनी हो, उन्हें अंधेरों का डर नहीं होता '–महात्मा फुले के इसी संदेश को आत्मसात करते हुए सैनी समाज के हजारों लोगों की उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि सामाजिक जागरूकता और एकता ही विकास की असली कुंजी है। आयोजन में समाज के प्रबुद्धजन, जनप्रतिनिधि और युवा वर्ग बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिन्होंने इसे केवल एक उत्सव नहीं बल्कि सामाजिक चेतना के महापर्व के रूप में परिवर्तित कर दिया।

सीआईए टोहाना की बड़ी कार्रवाई : कॉमर्शियल मात्रा में नशीली गोलियों सहित दो आरोपी काबू

1150 एल्प्राजोलम गोलियां बरामद, सप्लाई की फिराक में खड़े थे आरोपी

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । नशीले पदार्थों की रोकथाम के तहत सीआईए स्टाफ टोहाना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कॉमर्शियल मात्रा में नशीली गोलियों सहित दो आरोपियों को काबू किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि अपराध अनुसंधान शाखा की टीम गश्त के दौरान टोहाना-रतिया रोड पर मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि दो युवक स्कूटी पर नशीली गोलियों की सप्लाई के लिए खड़े हैं। सूचना के आधार पर तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार कर मौके पर दबिश दी गई। टीम ने टोहाना-रतिया रोड, नए बाईपास टी-प्वाइंट पर एक स्कूटी सवार दो युवकों को काबू किया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान निखिल वर्मा पुत्र राजबीर निवासी वार्ड नं. 5, हिसार तथा हर्ष

वर्मा पुत्र देवानंद निवासी चूरू, राजस्थान के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 115 स्ट्रिप्स (कुल 1150 गोलियां) एल्प्राजोलम 0.5 एमजी बरामद हुईं। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 102 दिनांक 10.04.2026 धारा 22C/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। सीआईए टोहाना की यह कार्रवाई नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

सुनील कुमार यादव बने इनकम टैक्स ऑफिस सुपरिटेंडेंट, ग्रामीणों ने किया भव्य सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । फौलादपुर गांव के सुनील कुमार यादव पुत्र विनोद कुमार यादव का चयन इनकम टैक्स ऑफिस सुपरिटेंडेंट पद पर हुआ है। इस उपलब्धि पर शनिवार, 11 अप्रैल को ग्राम पंचायत सरपंच कृष्णा यादव एवं ग्रामीणों द्वारा उनका सम्मान

समारोह आयोजित कर भव्य स्वागत किया गया। सुनील कुमार यादव ने बताया कि उन्होंने दूसरे प्रयास में यह सफलता प्राप्त की है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत की जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर पढ़ाई करनी चाहिए और भटकाव से दूर रहना चाहिए। सम्मान समारोह के दौरान ग्रामीणों ने सुनील कुमार यादव को साफा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया, साथ ही उनके परिवारजनों को भी साफा व मालाएं पहनाकर बधाई दी। सुनील के ताऊ महेन्द्र यादव, जो राजस्थान रोडवेज से सेवानिवृत्त चालक हैं, ने कहा कि भतीजे की सफलता से पूरा परिवार गौरवान्वित है। इस अवसर पर सरपंच कृष्णा यादव, पूर्व सरपंच विद्यासागर यादव, बाबूलाल यादव, महेन्द्र ड्राइवर, सुनील की माता सुमन देवी, सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट सुनील यादव, समाजसेवी सुमित यादव, राजेंद्र यादव, दलीप सिंह, महेंद्र पंच, अनिल यादव, वीरसिंह, शेरसिंह, सरजीत, शिक्षाविद रणसिंह यादव, सतीश, नरेश, राजेश, ईश्वर यादव, जलकरण यादव, राजू, कैलाश, कालू, आकाश, संदीप, राहुल, हरकेश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा: नए सितारे संग वापसी की चुनौती

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन वाकई चिंताजनक रहा है। पिछले सत्र में, टीम ने यहां खेले गए आठ में से छह मैच हारे थे, जिसमें लगातार पांच हार शामिल थीं। यही वजह थी कि वे पिछले साल अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी, घरेलू मैदान पर उनका पहला मैच निराशाजनक रहा, जहां दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह एलएसजी का इस सत्र में घरेलू मैदान पर दूसरा मैच होगा, और वे यहां अपने जीत के रिकॉर्ड को सुधारने के लिए बेताब होंगे।

एलएसजी के लिए केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जब 21 वर्षीय राजस्थानी बल्लेबाज मुकुल चौधरी एक नए फिनिशर के रूप में उभरे। उन्होंने

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसमें उनके आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट भी शामिल था, जिससे उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया, एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू है, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है।

यह मैच दोपहर में खेला जाएगा, और एकाना की धीमी पिच पर गुजरात के अनुभवी स्पिनरों राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का सामना करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए थे और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एलएसजी को अपनी घरेलू जमीन पर जीत की राह पर लौटने के लिए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा.

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव किए हैं और अब टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मुझे इस ग्रुप पर पूरा भरोसा है। हालांकि, इस सीजन में हम इसे अभी तक मैदान पर पूरी तरह दिखा नहीं पाए हैं। उन्होंने

यह भी बताया कि फ्रेंचाइजी ने टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल कर एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है।

अक्सर शांत और सौम्य रहने वाले स्टीफन फ्लेमिंग को बखूबी अंदाजा है कि आजकल उनके बारे में क्या बातें हो रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चेन्नई को रिकॉर्ड पांच आईपीएल ट्रॉफियां जिताने का पर्याप्त श्रेय मिला है, तो उन्होंने विनम्रता, लेकिन दृढ़ता से अपनी बात रखी। फ्लेमिंग ने कहा, नहीं, असल में क्रेडिट मेरा नहीं, सिर्फ खिलाड़ियों का है। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए यह सिर्फ कोचिंग का एक और साल है। हमेशा से ऐसा ही रहा है कि खिलाड़ी ही मैदान पर कमाल करते हैं। मैदान के बाहर कोचिंग जरूरी होती है, लेकिन खिताब मैदान पर प्रदर्शन से जीते जाते हैं। फ्लेमिंग ने एमएस धोनी जैसे दुनिया के सबसे महान कप्तानों में से एक के साथ काम करने को अपना सौभाग्य बताया और कहा कि उन्हें अपने नतीजों पर गर्व है, लेकिन वह तारीफ या वाहवाही पाने के भूखे नहीं हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप वैभव सूर्यवंशी को, पर्पल कैप रवि बिश्नोई के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार 10 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में खेले गए इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान राजस्थान ने दो ओवर शेष रहते हुए ही सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। राजस्थान की इस शानदार जीत के सूत्रधार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल रहे, जिन्होंने अपनी ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों से टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मैच के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 26 गेंदों पर 8 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही वैभव ने आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया और टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक चार मैचों में उनके बल्ले से 50 की औसत और 266.67 के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट के साथ कुल 200 रन निकल चुके हैं। वैभव के साथ ध्रुव जुरेल ने भी 43 गेंदों पर 81 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जुरेल की इस पारी ने उन्हें आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में जगह दिलाई। दिलचस्प बात यह है कि अब इस लिस्ट के टॉप-3 में राजस्थान रॉयल्स के ही खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें वैभव सूर्यवंशी (200), यशस्वी जायसवाल (183) और ध्रुव जुरेल (176) शामिल हैं। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी (160) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृश रघुवंशी (155) भी टॉप-5 में शामिल हैं। आरसीबी की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंदों पर सर्वाधिक 63 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 32 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पाटीदार 142 रनों के साथ सातवें और कोहली 129 रनों के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऑरेंज कैप की तरह ही, पर्पल कैप भी इस समय राजस्थान रॉयल्स के नाम है, जिसे युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने नाम किया है। बिश्नोई ने अभी तक चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं और बेंगलुरु के खिलाफ भी उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (MI) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (RCB) से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें MI 19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुक़ाबलों में RCB की टीम ने पांच मुक़ाबले जीते हैं, जबकि MI को सिर्फ़ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुक़ाबलों में मेज़बान MI 8-4 से आगे है।

यह मुक़ाबला ना सिर्फ़ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। RCB और MI के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने MI के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, RCB के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉश हेज़लवुड, रोहित को सात पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं, हालांकि रोहित का उनके ख़िलाफ़ स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 116 का है। वहीं भुवनेश्वर कुमार भी रोहित को 16 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, जबकि रोहित उन पर 136 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं अगर कोहली की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पांच बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने 17 पारियां ले ली हैं और 149 के स्ट्राइक रेट से रन ख़र्च किए हैं। ट्रेंट बोल्ट तो कोहली को 13 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं। मिचेल सैंटनर और हार्दिक पंड्या ने कोहली को 2-2 बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए क्रमशः नौ और 10 पारियां ली हैं। वहीं दीपक चाहर और शार्दुल

ठाकुर उन्हें सिर्फ़ एक-एक ही बार आउट कर पाए हैं।

डेथ ओवरों (17 से 20) में MIके निचले क्रम का सामना भुवनेश्वर कुमार से हो सकता है। भुवनेश्वर तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को IPL में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। हालांकि चार पारियों में दो बार आउट होने वाले तिलक उन पर 173 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

वहीं दूसरी ओर बुमराह के सामने RCB के लिए MI के पूर्व फ़िनिशर टिम डेविड होंगे। IPL 2025 से डेविड डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और हर तीसरी गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। हालांकि बुमराह इसी दौरान डेथ ओवरों में सिर्फ़ 7.8 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 के स्ट्राइक रेट से छह विकेट झटक चुके हैं। ऐसे में बुमराह बनाम डेविड मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा।

इस मुक़ाबले में दो भाईयों की भिड़ंत भी देखना दिलचस्प होगा। एक समय MI का अहम हिस्सा रहे क्रुणाल पंड्या पिछले साल अपने प्लेयर ऑफ़ द फ़ाइनल के प्रदर्शन से RCB को उनका पहला ख़िताब दिला चुके हैं। क्रुणाल ने MIके ख़िलाफ़ सात पारियों में 72 रन बनाने के साथ-साथ आठ विकेट भी लिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या RCB के ख़िलाफ़ 164 के स्ट्राइक रेट से 18 पारियों में 361 रन बना चुके हैं, साथ ही सात विकेट भी लिया है। हार्दिक ने क्रुणाल की गेंदबाज़ी का पांच पारियों में सामना किया है और उनके ख़िलाफ़ 31 गेंदों में एक बार आउट होते हुए सिर्फ़ 29 रन ही बना पाए हैं।

मुकुल चौधरी एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे : डु प्लेसिस

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी से एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे हैंहै। डु प्लेसिस के अनुसार जिस प्रकार से वह आक्रामक होकर अंतिम ओवरों में खेलता दिखा इससे अंदाज होता है कि वह भविष्य में एक स्टार क्रिकेटर बनकर उभरेगा।मुकुल ने ईडन गार्डन्स में 27 गेंदों पर ही सात छक्के और दो चौके लगार नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम सुपर जायंट्स को असंभव सी जीत दिला दी। डु प्लेसिस ने कहा, मैच को अंतिम गेंद ले जाने की उनकी समझ जबरदस्त दिखी। इस युवा खिलाड़ी में जबरदस्त ताकत और क्षमता है और उसकी बल्लेबाज का अंदाज देखकर हैरानी होती है। साथ ही कहा कि उसके कुछ स्ट्रोक देखकर मुझे महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआत दिनों का खेल याद आ गया। उसके फ्लिक शॉट्स कमाल के रहे। प्लेसिस ने बताया कि केकेआर टीम को इस बार भाग्य का साथ भी नहीं मिलता दिख रहा है। डु प्लेसिस ने कहा, सीजन में कुछ ऐसे छोटे-छोटे पल आते हैं जो निर्णायक साबित हो सकते हैं, जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो सोचते हैं कि अगर वो पल हमारे पक्ष में गया होता, तो सीजन का नजारा कुछ और ही होता। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और इस समय कठिन स्थिति में है।

ऋषभ कप्तान के तौर पर जिम्मेदारी से खेलें : कैफ

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अब जिम्मेदारी से खेलना होगा। कैफ के अनुसार कप्तान होने के नाते उन्हें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी , तभी वह टीम के अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर पायेंगे। कैफ के अनुसार वह अब सीनियर खिलाड़ी हैं और उन्हें कठिन हालातों में अंत तक टिके रहना चाहिये। वह इस सत्र में अभी तक केवल एक मैचम में ही अच्छी पारी खेल पाये हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें अपनी खेल की समझ में सुधार करते हुए लगातार अच्छे परिणामों के लिए जिम्मेदारी से खेलना होगा। सुपरजायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली पर कप्तान केवल केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी असफल रहे। नये बल्लेबाज मुकुल चौधरी के नाबाद 54 रन की सहायता से सुपरजायंट्स ने ये मैच किसी प्राकर से जीता। इस दौरान देखा गया कि कप्तान के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही। कैफ ने कहा, टीम की हालत को देखते हुए उन्हें अंत तक खेलते रहना चाहिये। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, ओर पिछले एक दशक से खेल रहे हैं। केकेआर के खिलाफ जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति कठिन नहीं थी। उस समय टीम ने पहले पांच ओवरों में ही 40 से अधिक रन बना लिए थे। ऐसे में किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका कप्तान को निभानी चाहिए थी। उन्होंने साथ ही कहा, कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच में जीत नहीं दिला सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच के हालातों के अनुसार और खेलते हुए ये सीखना होगा कि कब कैसी रणनीति अपनाने की जरुरत है। कैफ ने कहा, एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक खेलता रहे।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास: टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर के स्पेल में सिर्फ 14 रन खर्च किए और रोमारियो शेफर्ड का महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया।

मैच की बात करें तो, राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी से मिले 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 6 विकेट से अपने नाम किया। आरसीबी द्वारा निर्धारित 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत

हालांकि खराब रही, जब यशस्वी जायसवाल मात्र 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया। 15 साल के वैभव ने 300 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव के आगे आरसीबी के गेंदबाज बेबस नजर आए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए एक छोर संभाले रखा और नाबाद 81 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले, आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 201 रन बनाए थे। टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। विराट कोहली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 16 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में नाबाद 29 रन और रोमारियो शेफर्ड ने 22 रनों का योगदान दिया। यह इस सीजन में आरसीबी की पहली हार है, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा है।

आईपीएल में खरीददार न मिलने पर राइली रुसो का बड़ा बयान, आईपीएल को बताया फिल्म

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज राइली रुसो ने आईपीएल को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने इस लीग को क्रिकेट कम और फिल्म ज्यादा बताया है, जबकि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की जमकर तारीफ की है। यह बयान तब आया है जब आईपीएल 2026 की नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला और उन्होंने खुद इस साल नीलामी के लिए अपना नाम नहीं भेजा था। रुसो का यह रुख क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर उनके आईपीएल के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए।

राइली रुसो का आईपीएल से रिश्ता पुराना रहा है। उन्होंने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, वह इस लीग में कभी अपनी छाप नहीं छोड़ पाए और उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 4.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स ने उन पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके, खराब प्रदर्शन के चलते पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया, और इसके बाद उन्हें अगले साल की नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिला। अब वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे हैं। रुसो ने आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है, जबकि पीएसएल एक ज्यादा छोटा टूर्नामेंट है, जहाँ मुकाबला कहीं ज्यादा कड़ा होता है। उन्होंने आईपीएल पर तंज कसते हुए कहा, जाहिर है, आईपीएल को पूरे बॉलीवुड का समर्थन हासिल है, इसलिए यह असल क्रिकेट से ज्यादा एक फिल्म जैसा लगता है। यह टिप्पणी आईपीएल के ग्लैमर और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर एक सीधा हमला है। उनके आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें तो, रुसो ने कुल 22 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 23.65 की औसत से 473 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों में कोई शतक शामिल नहीं है, और केवल कुछ ही अर्धशतक हैं, जो दर्शाता है कि वह आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने में संघर्ष करते रहे हैं। एक समय आईपीएल टीमों द्वारा उन पर भारी-भरकम रकम खर्च की जा रही थी, तब उन्हें इस रंगारंग लीग से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जब उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट आई और टीमों ने उनसे दूरी बनाना शुरू कर दी, तो उनका यह बयान सामने आया है, जो उनकी निराशा को उजागर करता है और क्रिकेट जगत में एक नई बहस छेड़ सकता है।

हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 : राजगीर में महिला व पुरुष वर्ग के फाइनल तय

राजगीर । बिहार/ बिहार के राजगीर में चल रही हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुँच गया है। डिवीजन ए में पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले तय हो चुके हैं, जिससे खिताब के लिए रोमांचक जंग की उम्मीद बढ़ गई है। सभी मुकाबले 12 अप्रैल को राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना हॉकी उत्तर प्रदेश से होगा, जबकि महिलाओं के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश की टीम गत चैंपियन हॉकी झारखंड से भिड़ेगी। इन मुख्य मुकाबलों के अतिरिक्त, तीसरे स्थान के लिए भी दिलचस्प मैच खेले जाएंगे। महिलाओं के वर्ग में हॉकी ओड़िशा और हॉकी उत्तर प्रदेश कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, वहीं पुरुषों में दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव हॉकी का मुकाबला हॉकी पंजाब से होगा। सेमीफाइनल मुकाबलों की बात करें तो, पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव को 4-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर, हॉकी उत्तर प्रदेश ने एक कड़े मुकाबले में पिछले साल के चैंपियन पंजाब को 6-2 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला पिछले साल के तीसरे स्थान के मैच का रीमैच भी था, जिसमें यूपी ने जीत दर्ज की थी। इस बार उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी गोल स्कोरिंग में भी आगे रहे हैं, जहाँ शाहरुख अली 14 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने हुए हैं। उनके साथी खिलाड़ी नीतीश यादव ने अपने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से दागे हैं, जबकि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश और झारखंड दोनों ही टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है।

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

वैभव की इस शानदार फॉर्म से प्रभावित होकर, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें टीम इंडिया में डेब्यू का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वैभव जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी, इतनी कम उम्र में, भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। धूमल ने जोर देकर कहा कि ऐसे दुर्लभ मौके को भुनाना चाहिए। धूमल की इस पोस्ट पर प्रशंसकों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कई यूजर्स ने वैभव को अविश्वसनीय टैलेंट करार देते हुए उनके तत्काल डेब्यू की वकालत की।

यह उल्लेखनीय है कि 15 वर्षीय वैभव अब सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने के पात्र हो चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अंडर-19 टीम में भी अपना जलवा दिखाया है, जहां उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की एक शानदार पारी खेली थी। आईपीएल में, वे जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी चुनौती देने से नहीं हिचकिचाते। हाल ही में उन्होंने आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़कर अपनी निर्भीक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सामान्य तौर पर जहां 200 के स्ट्राइक रेट को बेहतरीन माना जाता है, वहीं वैभव ने कई बार 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी देखकर ऐसा लगता है कि वह सिर्फ रिकॉर्ड बनाने नहीं, बल्कि क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी की एक नई परिभाषा गढ़ने आए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वे इस युवा सनसनी को जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका दें।

'सैयारा' के बाद इस फिल्म में नजर आएंगे अहान पांडे, अली अब्बास जफर करेंगे निर्देशन

'सैयारा' फेम एक्टर अहान पांडे एक एक्शन-रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे। आज अली अब्बास जफर ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए फिल्म से अहान पांडे का पहला लुक शेयर किया है, जिस पर फैंस दिल हार बैठे हैं।

शूटिंग हुई शुरू

अहान पांडे की इस फिल्म की शूटिंग आज से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। जल्द ही मुख्य अभिनेत्री और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा की जाएगी। फिल्म का निर्माण वाईआरएफ कर रहा है। इसकी शूटिंग मुंबई और विदेशों में होगी। इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान की एक खास तस्वीर शेयर की और लिखा, 'और शुरू हो गई...' अहान पांडे की इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर अहान पांडे की है। इस तस्वीर में अहान के चेहरे का कुछ हिस्सा साफ नजर आ रहा है, क्योंकि बाकी की तस्वीर धुंधली है। छोटे बाल में अहान का यह लुक कमाल का लग रहा है।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

अहान की इस दूसरी फिल्म के पहले लुक ने सेलेब्स और फैंस का दिल जीत लिया है। अभिनेता अर्जुन कपूर ने लिखा, 'मास' और साथ ही फायर इमोजी बनाया है। टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने लिखा, 'बधाई हो अली सर', अहान की मां डीन ने लिखा, 'पूरी टीम को शुभकामनाएं', रजत बेदी ने लिखा, 'बधाई हो अली भाई', एक फैन ने लिखा, 'बहुत ज्यादा उत्साहित हूं', दूसरे फैन ने लिखा, 'अहान तुम कमाल कर दोगे', वहीं कई फैंस अहान के इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

अली और आदित्य की जोड़ी

'सैयारा' जैसी लव स्टोरी करने के बाद अब एक्शन-रोमांस फिल्म में आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे। यह फिल्म आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म है, जिनकी जोड़ी ने 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी हिट फिल्में दी हैं।

जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की खुलकर बातचीत

जान्हवी कपूर हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' फिल्म में नजर आई थी। इनमें उनके साथ वरुण धवन, रोहित शरफ और सान्या मल्होत्रा भी अहम किरदार में नजर आए थे। राज शमानी को दिए इंटर्व्यू में जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलकर बातचीत की, और बताया कि उन्हें बॉयफ्रेंड के साथ कितना सुरक्षित और अपनापन महसूस होता है।

कौन हैं जान्हवी कपूर के बॉयफ्रेंड?

जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। वे अक्सर पार्टी, फैमिली फंक्शन और इवेंट्स में साथ नजर आते हैं। हाल ही में राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में उन्होंने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर चर्चा की। उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं जान्हवी ने शिखर के बारे में बात करते हुए कहा, 'प्यार की वजह से मैं उनके साथ खुद का सबसे सच्चा वर्जन बन पाती हूं। मुझे एक ऐसा सुरक्षित एहसास मिला है, जहां मैं अपने दिल की बात सुन सकती हूं और उस पर भरोसा कर सकती हूं। उनकी मौजूदगी हमेशा मुझे यही एहसास देती है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं। यह एक ऐसी जगह है जहां मैं बिना किसी झिझक के खुद रह सकती हूं। उनके साथ मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है।'

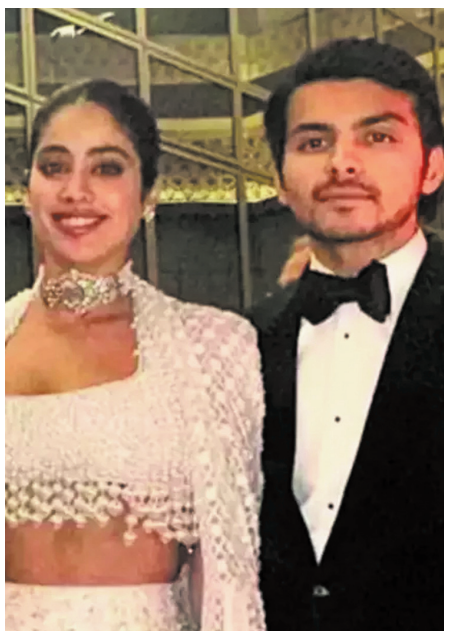

शिखर पहाड़िया के बारे में

शिखर पहाड़िया, पूर्व गृह मंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। उनकी मां स्मृति शिंदे एक एक्ट्रेस हैं। उनके बड़े भाई वीर पहाड़िया ने हाल ही में फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार, निम्रत कौर और सारा अली खान भी नजर आए।

जाह्नवी कपूर का अगला प्रोजेक्ट

वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही लक्ष्य और टाइगर श्रोफ के साथ धर्मा प्रोडक्शंस की अगली एक्शन फिल्म 'लग जा गले' में नजर आ सकती हैं। खबरों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू हो चुकी है, जिसे राज मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं।

पृथ्वीराज ने पूरी की 'वाराणसी' की शूटिंग

अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग का एक अहम शेड्यूल पूरा कर लिया है। अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने एसएस राजामौली की आगामी फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग पूरी होने की खुशखबरी दी है। शूटिंग खत्म होने के साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज के लिए एक साल की उलटी गिनती भी शुरू कर दी है। पृथ्वीराज ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सेट से एक चीट मील की तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ अभिनेता ने लिखा, 'बहुत मेहनत वाले शेड्यूल का आखिरकार अंत हो गया। चीट मील का पूरा मजा लिया।' इसके साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म के निर्माता केएल नारायण को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट भी बताई। पृथ्वीराज ने लिखा, '7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में मिलते हैं।' फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक तेलुगु एडवेंचर ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन एसएस राजामौली ने किया है। फिल्म का बजट 1300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में महेश बाबू रुद्र और भगवान राम के दोहरे रोल में दिखेंगे। प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे।

साउथ एक्टर विष्णु विशाल ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

एक्टर-प्रोड्यूसर विष्णु विशाल ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। इनमें से कई फिल्में सुपरहिट रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया से कुछ समय के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया है। उन्होंने अपने फैंस को भरोसा दिलाया है कि वे जल्द ही अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स से जुड़ी नई जानकारियों के साथ वापस लौटेंगे।
विष्णु विशाल ने लिया सोशल मीडिया से ब्रेक
एक्टर ने सोशल मीडिया से ब्रेक लेने वाली जानकारी देते हुए लिखा 'सोशल मीडिया से एक छोटा सा ब्रेक ले रहा हूं। जल्द ही फिल्मों से जुड़ी नई जानकारियों के साथ वापस आऊंगा। एक्टर 'वेनिला कबाड़ी कुझु', 'कुल्लारी कूट्टम', और 'रतसासन' के लिए जाने जाते हैं।

तीसरी बार इस निर्देशक के साथ कर रहे काम

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब रामकुमार के निर्देशन में बन रही उनकी अगली फिल्म 'इरंडु वानम' को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता बढ़ रही है। 'मुंडासुपत्ती' और 'रतसासन' की सफलता के बाद, यह जोड़ी तीसरी बार एक-साथ काम कर रही है।

पूरी हुई अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

पिछले साल जून में, विष्णु विशाल ने इस बात की पुष्टि की थी कि फिल्म 'इरंडु वानम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया था कि शूटिंग 150 दिनों में पूरी हुई थी। सत्य ज्योति फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में मामिता बैजू मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म का पहला लुक पोस्टर, जो पहले ही जारी किया जा चुका है, काफी दिलचस्प है। इसमें दोनों मुख्य कलाकार बादलों पर एक-दूसरे की विपरीत दिशा में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं।

विष्णु का वर्कफ्रंट

पिछली बार फिल्म 'आर्यन' में नजर आए विष्णु विशाल के पास अभी 'गट्टा कुश्ती' का सीक्वल भी पाइपलाइन में है, जिसका निर्देशन चेल्ला अय्यावु कर रहे हैं। वहीं, उनकी लंबे समय से अटकी हुई फिल्म 'मोहनदास' अभी तक रिलीज नहीं हो पाई है।

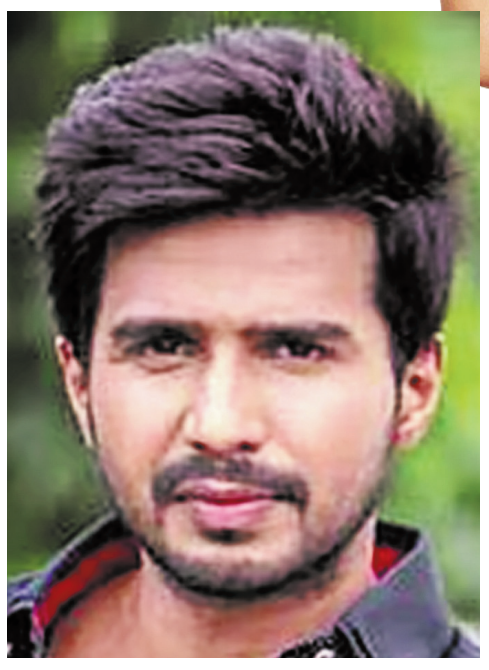

परिणीति चोपड़ा की नई पारी शुरू, 'मॉम टॉक्स' शो की होस्ट बनीं

परिणीति चोपड़ा ने अपने करियर में एक नया और खास चैप्टर जोड़ते हुए टॉक शो होस्ट के रूप में शुरुआत कर दी है। उनके इस नए सफर पर पति और सांसद राघव चड्ढा ने भी सोशल मीडिया पर इमोशनल नोट शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। परिणीति ने हाल ही में अपने टॉक शो 'मॉम टॉक्स' का टीजर जारी किया है। यह शो मातृत्व, प्रेग्नेंसी और बच्चों की परवरिश से जुड़े उन पहलुओं पर आधारित है, जिन पर अक्सर खुलकर बात नहीं की जाती। खास बात यह है कि यह परिणीति का पहला टॉक शो है, जिसमें वह होस्ट की भूमिका में नजर आएंगी। पिछले साल मां बनीं परिणीति इस प्लेटफॉर्म के जरिए अपने अनुभवों के साथ-साथ अन्य लोगों की कहानियां भी सामने लाना चाहती हैं। उनका मानना है कि मातृत्व से जुड़े कई पहलू आज भी समाज में झिझक के साथ देखे जाते हैं। राघव चड्ढा ने उनका हौसला बढ़ाते हुए लिखा, 'बहुत गर्व है। बधाई हो। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं। यह शो मातृत्व, प्रेग्रेंसी और बच्चों की परवरिश से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित होगा

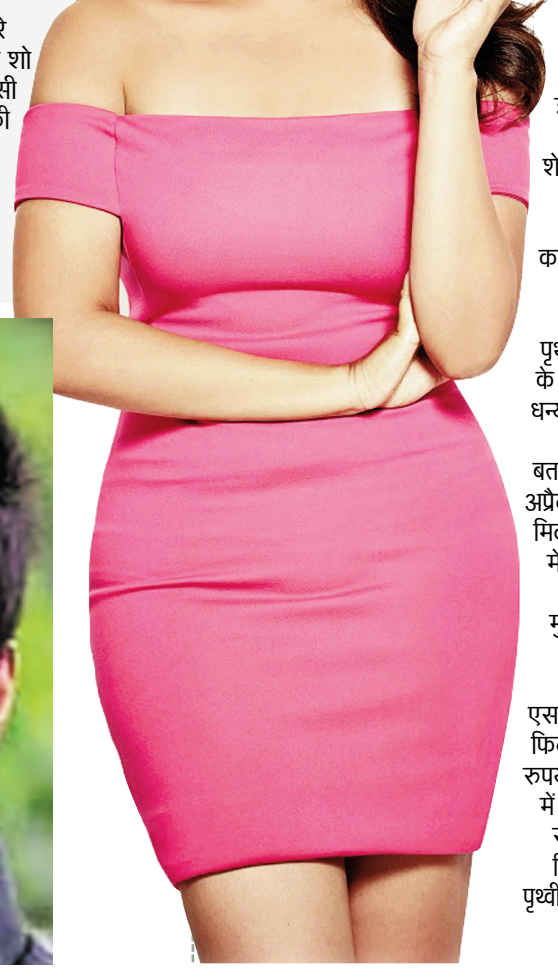

रणवीर सिंह कर सकते हैं चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्मः आदित्य धर के साथ फिर बन सकती है जोड़ी

धुरंधर फ्रैंचाइजी की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य धर रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया, आदित्य धर इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा, एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। एक सूत्र का कहना है कि द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था। अब उनकी सक्सेस और इंडस्ट्री में बढ़ते भरोसे के चलते इस प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करने की संभावना बनी हुई है।

चंद्रगुप्त मौर्य पर आधारित फिल्म पर चर्चा

एक अन्य सूत्र के मुताबिक, आदित्य धर चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल पर आधारित ऐतिहासिक फिल्म बनाने में भी दिलचस्पी रखते हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर उनकी रणवीर सिंह के साथ पिछले साल से बातचीत चल रही है। धुरंधर की सफलता के बाद दोनों फिर से इस पर चर्चा कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह विषय अभी तक ज्यादा एक्सप्लोर नहीं हुआ है और इसमें ड्रामा, एक्शन और पॉलिटिक्स जैसे कई मजबूत एलिमेंट हैं। अगर फिल्म अश्वत्थामा नहीं बनती, तो यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक स्पोर्ट्स ड्रामा भी शुरुआती स्टेज में है, जो बड़े लेवल पर बनाया जा सकता है। हालांकि इसकी जानकारी अभी साफ नहीं है।
कहा जा रहा है कि डायरेक्टर के पास कई प्रोजेक्ट्स के विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वे एक ब्रेक के बाद ही अगले प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ेंगे। डायरेक्टर ने पिछले तीन साल रणवीर सिंह के साथ 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी पर काम करते हुए बिताए हैं। इसलिए, अब वे कुछ समय का ब्रेक लेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक बात पक्की है कि आदित्य धर की अगली फिल्म और बड़े कैनवास पर बनने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य धर एक बार फिर रणवीर के साथ काम करने के इच्छुक हैं। इस बार वे मौर्य साम्राज्य के संस्थापक पर आधारित एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म पर काम करेंगे। आदित्य धर पिछले साल से ही रणवीर के साथ बातचीत कर रहे हैं।

क्यों रुका 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' पर काम

बात करें 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' की तो यह आधित्य धर के उन पैशन प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसे कथित तौर पर बजट संबंधी दिक्कतों के चलते कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। हालांकि, 'धुरंधर' से अच्छी-खासी कमाई के बाद इस फिल्म पर फिर से काम शुरू होने की संभावना बन गई है। लेकिन, अगर इसे हरी झंडी नहीं मिलती है, तो कहा जा रहा है कि यह ऐतिहासिक ड्रामा ही आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट है। इसके अलावा, ऐसी भी चर्चा है कि आदित्य धर एक स्पोर्ट्स ड्रामा पर भी काम कर रहे हैं।

मेरठ : बेटी की मौत के बाद 6 महीने तक घर में रखा शव, परफ्यूम छिड़ककर छिपाता रहा राज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में रिश्तों और इंसानियत को झकझोर देने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। सदर बाजार के तेली मोहल्ला निवासी एक पिता ने अपनी 32 वर्षीय बेटी की मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार करने के बजाय, करीब छह महीने तक उसके शव को घर के भीतर ही छिपाए रखा। हैरान करने वाली बात यह है कि शव से आने वाली दुर्गंध को दबाने के लिए आरोपी पिता तीन महीने तक उस पर परफ्यूम और रूम फ्रेशनर छिड़कता रहा। जब लाश पूरी तरह कंकाल में तब्दील हो गई, तो वह मकान में ताला लगाकर देहरादून फरार हो गया। इस सनसनीखेज मामले का खुलासा शुक्रवार को तब हुआ जब आरोपी उदय भानू विश्वास को उसके परिजनों ने बेगमबाग स्थित एक चाय की दुकान पर कुछ रिक्शा चालकों के साथ देखा। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त उदय भानू से जब उसकी अविवाहित बेटी प्रियंका के बारे में पूछा गया, तो उसने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि उसका इलाज देहरादून के एक अस्पताल में चल रहा है। शक होने पर परिजन उसे जबरन घर ले आए और बंद मकान का दरवाजा खुलवाया। अंदर का नजारा देख सबकी रूह कांप गई; बिस्तर पर प्रियंका का कंकाल पड़ा हुआ था। जांच में सामने आया है कि प्रियंका की मौत अक्टूबर 2025 में दशहरे के आसपास हुई थी। आरोपी ने इस बात को रिश्तेदारों से छिपाए रखा और दिसंबर तक शव के साथ ही उसी घर में रहा। जब पड़ोसियों को बदबू का अहसास होने लगा, तो वह परफ्यूम का इस्तेमाल करने लगा। 25 दिसंबर के बाद वह घर छोड़कर भाग गया और देहरादून में रिक्शा चलाने लगा। इस बीच, रिश्तेदारों के फोन आने पर वह बेटी के इलाज का बहाना बनाता रहा।

मणिपुर में पेट्रोलिंग कर रहे जवान की गोली मारकर हत्या, बीएसएफ में था तैनात

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के एक जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक कांस्टेबल मिथुन मंडल को शाम को गोली लगी। गोली लगने के बाद उन्हें तुरंत

अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि मिथुन मंडल पश्चिम बंगाल के भगजन टोला गांव के रहने वाले थे और बीएफएफ में तैनात थे। बता दें फरवरी में दो समुदायों के बीच हुई जातीय झड़पों के बाद कुकी गांव मोंगकोट चेपू और पड़ोसी तांगखुल नागा इलाके में गोलीबारी की घटनाएं होती रही हैं। यहां जारी तनाव के बीच पेट्रोलिंग कर रहे बीएफएफ के जवान पर यह हमला हुआ है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि हमले के पीछे शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बल इलाके में सर्च ऑपरेशन और चला रहा है। फिलहाल हमलावरों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। सीएम वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि कांस्टेबल मिथुन मंडल की दुखद शहादत की कड़ी निंदा करता हूं। पश्चिम बंगाल के इस बहादुर बेटे के ड्यूटी के दौरान दिए गए बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी

पलक्कड़ (एजेंसी)। पलक्कड़ के एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा पत्थर फेंकने की घटना सामने आई है। घटना में ट्रेन को मामूली नुकसान पहुंचा है, हालांकि किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी के अनुसार यह शाम करीब 4:30 बजे पलक्कड़ जिले के पराली इलाके के पास हुई। तब ट्रेन अपनी नियमित गति से बेंगलुरु की ओर बढ़ रही थी। अचानक किसी ने ट्रेन पर पत्थर फेंक दिया। जिससे कोच में लगी एक खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हुआ। रेलवे पुलिस के अधिकारी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद स्थिति पर काबू पाया गया। रेलवे कर्मचारियों ने भी तत्परता दिखाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस बारे में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कुछ स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाई है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने दावा किया है कि यह कृत्य किसी मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति या नशे की हालत में किसी व्यक्ति द्वारा किया गया हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

गोवा, महाराष्ट्र, बंगाल और आखिर में पंजाब... 35 साल बाद पकड़ा गया हत्या का आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 35 साल से फरार चल रहे एक हत्या आरोपी छवि लाल वर्मा को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया है। यह मामला 2 अगस्त 1991 का है, जब पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में एक घर के अंदर मां और बेटे पर चाकू से हमला हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान मां की मौत हो गई, जबकि बेटा कई दिनों बाद ठीक हो गया। होश में आने पर बेटे ने बताया कि हमला उनके किराएदार छवि लाल ने किया था। यह जानकारी मिलते ही आरोपी को एहसास हुआ कि वह जल्द ही पकड़ा जाएगा, इसलिए वह फरार हो गया। पुलिस ने लंबे समय तक उसकी तलाश की और उसके उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्थित घर पर भी नजर रखी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। हैरानी की बात यह रही कि छवि लाल ने कभी अपने परिवार से सीधे संपर्क नहीं किया, यहां तक कि अपने बच्चों की शादी में भी नहीं पहुंचा। इसके साथ ही समय बीतने के साथ मामला ठंडा पड़ गया, लेकिन हाल ही में क्राइम ब्रांच ने पुरानी फाइलों की समीक्षा शुरू की। करीब छह माह पहले इस केस को फिर से खोला और नई जांच शुरू हुई। जांच के दौरान पता चला कि छवि लाल अपने परिवार से सीधे बात करने के बजाय पड़ोसियों के जरिए संदेश भेजता था। इसी आधार पर पुलिस ने उसके गांव पर फिर नजर रखी और आखिरकार एक सुराग मिला। पुलिस ने 9 अप्रैल को लुधियाना में छवि लाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मुझे लगा था कि उसकी मकान मालकिन के पास काफी पैसा है, इसलिए लूट और हत्या की योजना बनाई थी।

इंटर्नशिप के नाम पर ठगी से रहें सतर्क: एसपी निकिता खट्टर

फर्जी इंटर्नशिप ऑफर्स और लिंक से सावधान रहें

रजिस्ट्रेशन फीस या सिक्योरिटी डिपॉजिट के नाम पर पैसे न दें

OTP, बैंक डिटेल या निजी जानकारी किसी से साझा न करें

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा विद्यार्थियों और युवाओं को इंटर्नशिप के नाम पर होने वाली साइबर ठगी से बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने जिला वासियों से अपील की है कि वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और ई-मेल के माध्यम से मिलने वाले इंटर्नशिप ऑफर्स को स्वीकार करते समय विशेष सतर्कता बरतें। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने बताया कि हाल के समय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें साइबर ठग युवाओं को आकर्षक स्टाइपेंड, वर्क फ्रॉम होम और आसान काम का लालच देकर अपने जाल में फंसा लेते हैं। इसके बाद उनसे रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी डिपॉजिट या अन्य शुल्क के नाम पर पैसे ऐंठे जाते हैं। कई बार फर्जी लिंक के माध्यम से उनकी व्यक्तिगत और बैंक संबंधी जानकारी भी हासिल कर ली जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी इंटर्नशिप ऑफर को स्वीकार करने से पहले संबंधित कंपनी या संस्था की विश्वसनीयता अवश्य जांचें। केवल आधिकारिक वेबसाइट और प्रमाणिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। किसी भी अनजान लिंक, ई-मेल या कॉल के माध्यम से मांगी गई जानकारी साझा न करें और किसी प्रकार का भुगतान करने से पहले पूरी तरह जांच-पड़ताल करें। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की ठगी का शिकार होता है या उसे कोई संदिग्ध कॉल/मैसेज प्राप्त होता है, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या शिकायत दर्ज करें। समय पर की गई सूचना से ठगी की राशि को रोका जा सकता है। फतेहाबाद पुलिस की एडवाइजरी में कहा गया है कि युवा वर्ग विशेष रूप से जागरूक रहें और किसी भी लालच में आकर अपनी मेहनत की कमाई और निजी जानकारी जोखिम में न डालें। अंत में पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने आमजन से अपील की कि वे इस एडवाइजरी को अधिक से अधिक साझा करें, ताकि साइबर ठगी के मामलों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

थाईलैंड से भारत लाया जा रहा मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल, हरियाणा एसटीएफ हिरासत में लेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस को संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल चौहान को थाईलैंड से निर्वासित कर भारत वापस लाया जा रहा है। शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उतरते ही हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स उसे अपनी हिरासत में ले लेगी। साहिल चौहान न केवल हरियाणा पुलिस बल्कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिट लिस्ट में भी प्रमुखता से शामिल था।

साहिल चौहान संगठित अपराध की दुनिया का एक खूंखार नाम बन चुका था। वह वर्तमान में जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर कौशल चौधरी के गिरोह का सबसे सक्रिय और मुख्य सदस्य माना जाता है। जांचकर्ताओं के अनुसार, साहिल विदेश में बैठकर भारत में कई कॉन्ट्रैक्ट किलिंग (सुपारी लेकर हत्या) की साजिशें रच रहा था। वह हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के व्यापारियों से रंगदारी वसूलने और उन्हें डराने-धमकाने के दर्जनों मामलों में वांछित है। भारत से बाहर रहने के कारण वह सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ था, क्योंकि वह वहीं से अपने गिरोह के नेटवर्क को संचालित कर रहा था। शनिवार को साहिल चौहान की वापसी को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। जैसे ही वह भारतीय जमीन पर कदम रखेगा, एसटीएफ उसे अपनी कस्टडी में लेकर सुरक्षित स्थान पर ले जाएगी। इसके बाद उसे अदालत में पेश कर रिमांड की मांग की जाएगी। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि साहिल की गिरफ्तारी से कौशल चौधरी गिरोह की कमर टूट जाएगी। यह कार्रवाई उन अपराधियों के लिए एक सख्त संदेश है जो विदेश भागकर भारतीय कानून से बचने का भ्रम पाले हुए हैं।

गिरफ्तारी और निर्वासन की प्रक्रिया- साहिल की गिरफ्तारी केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस के बीच बेहतर तालमेल का परिणाम है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां उसकी तलाश में थीं। हाल ही में उसे थाईलैंड में हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद भारत सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर उसके निर्वासन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया।

राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ ACB का सबसे बड़ा प्रहार

जयपुर और झुंझुनूं में एक साथ हुई कार्रवाई में PWD के XEN और एक दलाल को 33 लाख रुपए की भारी-भरकम रिश्वत लेते और देते हुए दबोचा गया है

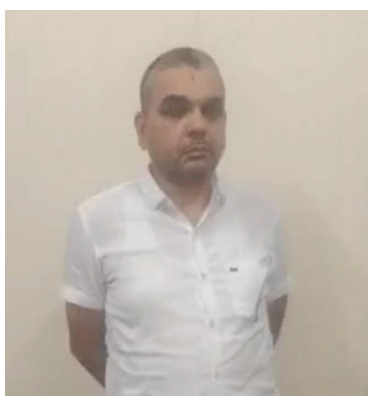

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शुक्रवार रात करीब 8 बजे, जयपुर की चौमूं पुलिया पर फिल्मी अंदाज में जाल बिछाया गया। परिवादी ने जैसे ही गाड़ी का इंडिकेटर जलाकर इशारा किया, ACB की टीम ने दलाल याकूब अली को 33 लाख रुपए नकद के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। इधर जयपुर में दलाल पकड़ा गया, तो उधर झुंझुनूं के चिड़ावा में ACB की दूसरी टीम ने PWD के XEN राकेश कुमार को उसके घर से हिरासत में ले लिया। जांच में खुलासा हुआ कि यह पूरी रकम XEN साहब की जेब में ही जाने वाली थी। खेल चल रहा था झुंझुनूं के बग्गड़ में स्टेट हाईवे को नेशनल हाईवे से जोड़ने वाली सड़क के अलाइनमेंट का। परिवादी की जमीन को सड़क से बाहर निकालने यानी 'रि-अलाइनमेंट' करने के नाम पर यह मोटी डील फिक्स हुई थी। जयपुर की एक निजी कंपनी को रोड अलाइनमेंट का काम मिला था, जिसमें भ्रष्टाचार का यह जाल बुना गया। फिलहाल दोनों आरोपी ACB की गिरफ्त में हैं और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

देवलावास के इंजी. संदीप नेहरा बने अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच के प्रवक्ता, 25 देशों में करेंगे भारत की संस्कृति का प्रचार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की संस्कृति, समरसता और वैचारिक शक्ति को नई पहचान दिलाने की दिशा में झुंझुनूं जिले के लिए गौरव का क्षण सामने आया है। इंजी. संदीप नेहरा, प्रबंधक निदेशक, नोबल शिक्षण समूह देवलावास, को अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच के अंतर्गत संचालित अंतर्राष्ट्रीय शांति मिशन में प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। यह महत्वपूर्ण नियुक्ति मंच के संरक्षक न्यायमूर्ति परमानन्द झा (नेपाल के प्रथम उपराष्ट्रपति) के मार्गदर्शन एवं अनुशंसा पर की गई है। मंच के संयोजक एवं विशिष्ट सलाहकार डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंच की कार्ययोजना को 25 देशों तक विस्तारित किया जा रहा है, जिसके तहत चयनित प्रवक्ताओं को वैश्विक स्तर पर संगठन की विचारधारा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है।

वैश्विक समरसता और शांति का संदेश देंगे-नेहरा

संदीप नेहरा अपने नए दायित्व के तहत विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समुदायों के बीच संवाद, समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने का कार्य करेंगे। उनका उद्देश्य विश्व में शांति, सौहार्द और भाईचारे का वातावरण स्थापित करना है। वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और गणमान्य व्यक्तियों से संवाद स्थापित कर भारत-नेपाल की प्राचीन वैदिक एवं सांस्कृतिक विरासत के पुनरुत्थान की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय शांति मिशन में मिली अहम जिम्मेदारी, वैश्विक स्तर पर समरसता और भारतीय मूल्यों का करेंगे प्रसार

'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को देंगे विस्तार

यह मिशन 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'ग्लोबल विलेज' और 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम' जैसे भारतीय जीवन मूल्यों को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत भारत को पुनः 'विश्व गुरु' के रूप में स्थापित करने, वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका को सशक्त बनाने तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में भारत की प्रभावी भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी कार्य किया जाएगा।

क्षेत्र और समाज के लिए गौरव का विषय

मंच के अनुसार संदीप नेहरा का चयन उनके सामाजिक सरोकार, संगठनात्मक अनुभव और समाज के प्रति समर्पण भावना को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उनकी नियुक्ति पर झुंझुनूं सहित विभिन्न क्षेत्रों के सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। यह उपलब्धि न केवल इंजीनियर संदीप नेहरा के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र और समाज के लिए गर्व का विषय मानी जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा भविष्य में भी ऐसे प्रयासों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संवाद और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाता रहेगा।

गर्मी के लिए हो जाएं तैयार! यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में बढ़ेगा पारा, हीटवेव का भी अलर्ट

चेन्नई (एजेंसी)। उत्तर भारत में इस साल अप्रैल महीने का मौसम उम्मीद के बिल्कुल विपरीत नजर आ रहा है। मार्च की शुरुआत में जिस तरह भीषण गर्मी का अहसास हुआ था, उसके उलट अप्रैल में अब तक एक भी दिन वैसी तपिश महसूस नहीं की गई है। लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण तेज हवाओं और बारिश का दौर जारी रहने से तापमान सामान्य से करीब 4 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है। हालांकि, मौसम विभाग का ताजा अनुमान संकेत दे रहा है कि अब उत्तर और पश्चिम भारत में धीरे-धीरे गर्मी अपना असर दिखाना शुरू करेगी।

शनिवार, 11 अप्रैल को उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगीका, जिसकी वजह से फिलहाल तापमान में बहुत अधिक बढ़ोतरी दर्ज नहीं की जाएगी। राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में आज मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना है। रविवार से यहां पारे में उछाल देखा जा सकता है और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। राहत की बात यह है कि सुबह और शाम के समय ठंडी हवाएं चलती रहेंगी, जिससे दिल्लीवासियों को फिलहाल चिलचिलाती गर्मी से जूझना नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश में भी अब बारिश की संभावना नहीं है और ज्यादातर हिस्सों में चटख धूप खिली रहेगी। राज्य में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। हालांकि, 15 अप्रैल के बाद यूपी में हीट वेव यानी लू की स्थिति बनने के आसार हैं। बारिश का रुकना किसानों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है, क्योंकि बेमौसम बरसात ने गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया था। अब तेज धूप निकलने से बची हुई फसल की कटाई और सुखाने में मदद मिलेगी। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी आसमान साफ रहने और धूप निकलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में 12 अप्रैल से लू का असर दिखने लगेगा और गर्मी तेजी से बढ़ेगी। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में मौसम अब भी सुहाना बना हुआ है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में छिटपुट बर्फबारी और हल्की बारिश का दौर जारी है। हिमाचल में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के कारण ऊंचे क्षेत्रों में ठंडक बनी रहेगी, जबकि मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा।

वृंदावन नाव हादसा : यमुना में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, अब तक 10 की मौत और 5 अब भी लापता

मथुरा (एजेंसी)। धर्मनगरी वृंदावन के केसी घाट पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक नाव हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 22 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। शनिवार को दूसरे दिन भी लापता 5 लोगों की तलाश में बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तलाश अभियान को तेज करने के लिए सेना (आर्मी) समेत विभिन्न राहत दलों के करीब 250 जवान तैनात किए गए हैं। रेस्क्यू टीमें घटनास्थल से लेकर 14 किलोमीटर के दायरे में जाल बिछाकर लापता लोगों को ढूंढ रही हैं। इस तलाशी अभियान में नाव जंगलों में फंसी मिल गई है लेकिन 5 लोग अभी भी लापता हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, यमुना का बहाव तेज होने के कारण लापता लोगों के दूर बह जाने की आशंका है। साथ ही, नदी के तल में भारी गाद और कीचड़ होने की वजह से शवों के रेत में दबे होने की संभावना भी जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि हादसे के 24 घंटे बीतने के बाद शव फूलकर पानी की सतह पर आ सकते हैं। यह दर्दनाक हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ, जब 37 श्रद्धालुओं से भरी एक नाव यमुना के बीचों-बीच पलट गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि नाव की क्षमता 40 लोगों की थी, लेकिन सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए किसी भी श्रद्धालु को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। मृतकों में एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं, जिनमें मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा जैसे करीबी रिश्तेदार थे। जिस जगह नाव डूबी, वहां पानी की गहराई करीब 25 फीट बताई जा रही है।

हादसे में जीवित बचे एक युवक ने बताया कि नाव तट से करीब 50 फीट दूर थी, तभी 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने लगीं। नाव डगमगाने लगी और नाविक ने नियंत्रण खो दिया। श्रद्धालुओं ने नाविक से नाव रोकने की गुहार लगाई, लेकिन उसने अनसुना कर दिया। नाव दो बार पीपा पुल से टकराते-टकराते बची, लेकिन तीसरी बार जोरदार टक्कर हुई और नाव देखते ही देखते पानी में समा गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी नाविक पप्पू निषाद को हादसे के 6 घंटे बाद शनिवार रात हिरासत में ले लिया है। वह हादसे के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया था। प्रशासन अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की एसआईआर में 6.08 करोड़ नाम कटे

यूपी में 2.04 करोड़ तो पश्चिम बंगाल में 91 लाख लोग फाइनल सूची से बाहर

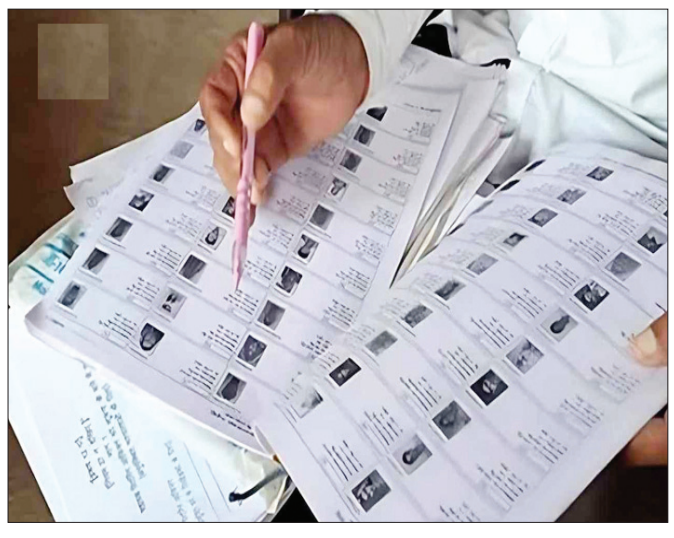

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग के एसआईआर के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को यूपी में फाइनल वोटर सूची जारी की। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटरों की सूची में कुल 6.08 करोड़ नाम कट गए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ थी। फाइनल सूची जारी होने के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर के दूसरे फेज में यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप की फाइनल वोटर सूची जारी की गई है। यूपी में शुक्रवार को जारी हुई एसआईआर की फाइनल सूची में वोटर्स की संख्या 13फीसदी घटकर 13.39 करोड़ रह गई यानी 2.04 करोड़ लोगों के नाम कट गए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में करीब 91 लाख वोटर्स के नाम फाइनल सूची से बाहर हो गए हैं।

चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार, दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराया गया था। वहीं असम में एसआईआर के बजाय 10 फरवरी को स्पेशल रिवीजन पूरा किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान कई राज्यों में शेड्यूल में कई बार बदलाव हुए। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

बता दें देश के करीब 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को इस अभियान में शामिल किया जा चुका है। अब बाकी 39 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के तीसरे फेज 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में कवर किया जाएगा। इन 22 राज्यों-यूटी में एसआईआर प्रक्रिया इस महीने पांच विधानसभा चुनावों के बाद शुरू की जाएगी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक यह कार्रवाई नवंबर से चल रही प्रक्रिया के तहत की गई है, आयोग के 28 फरवरी तक के आंकड़ों के मुताबिक एसआईआर शुरू होने के बाद 63.66 लाख नाम हटाए गए थे, जिससे मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई। बाद में जांच और प्रक्रिया पूरी होने के साथ कुल हटाए गए नामों की संख्या बढ़कर करीब 90.83 लाख हो गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com